बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 31 अगस्त 2026 | दिन - सोमवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 215 | मूल्य - 5 रुपये

नेपाल बाढ़ में मृतकों की संख्या 788 हुई, करीब 2500 लापता; भोटेकोशी में बढ़ते जलस्तर से बढ़ी चिंता

काठमांडू, (भाषा)।

नेपाल में अचानक आई भीषण बाढ़ से मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 788 हो गई। शवों के मिलने का सिलसिला जारी रहने के बीच, अधिकारियों ने भोटेकोशी नदी में जलस्तर बढ़ने की चेतावनी जारी की और बाढ़ प्रभावित जिलों में रहने वाले लोगों तथा बचावकर्मियों से अलर्ट रहने की अपील की। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने बताया कि इस त्रासदी में मृतकों की संख्या बढ़कर 788 हो गई है, जबकि करीब 9500 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

नेपाल-तिब्बत सीमा के निकट हिमनद के टूटने के बाद 26 अगस्त को हिमस्खलन जैसी घटना से पानी, कीचड़ और मलबे का तेज बहाव नीचे की ओर आया, जिसने मध्य नेपाल में कस्बों और गांवों को तबाह कर दिया, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया और जलविद्युत केंद्रों को नष्ट कर दिया। हिमालयी सीमावर्ती इलाके से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी में भीषण बाढ़ से मकान, गाड़ियां, सड़कें और पुल बह गए तथा पनबिजली परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा। इस आपदा में चीन की ओर भी 16 लोगों की मौत हुई और करीब 550 लोग लापता हैं।

एनडीआरआरएमए ने रविवार को एक बयान में बताया कि नदी का जलस्तर फिर बढ़ गया है। बयान में कहा गया, ''बाढ़ प्रभावित भोटेकोशी नदी का जलस्तर फिर बढ़ गया है। सभी संबंधित लोगों से एहतियाती कदम उठाने का आग्रह किया जाता है।'' एनडीआरआरएमए ने कहा कि और जानकारी मिलने पर स्थिति के बारे में सूचना दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, इस आपदा के बाद नेपाल में 591 विदेशियों समेत कुल 2,502 लोग अब भी लापता हैं।

नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि बाढ़ के बाद 275 से अधिक भारतीय और भारतीय मूल के 128 लोग अब भी लापता हैं या उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है, जबकि 108 अन्य लोगों को बचा लिया गया है। रविवार को विदेश मंत्रालय ने अपने 'एक्स' हैंडल पर बचाए गए 149 लोगों की सूची साझा की। नेपाल के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, लापता लोगों में बाढ़ प्रभावित तीन जिलों के विभिन्न स्कूलों के 238 छात्र और 18 शिक्षक शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों से करीब 9,500 लोगों को बचाया गया है। इनमें स्थानीय लोगों के अलावा भारत, अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, स्पेन, बेल्जियम, जर्मनी, इटली, माल्टा, तुर्किये, स्विट्जरलैंड और पुर्तगाल समेत कई देशों के पर्यटक भी शामिल हैं। बाढ़ के बाद शवों के मिलने का सिलसिला जारी है। रुक-रुक कर हो रही बारिश और बढ़ते जलस्तर के बीच खोज एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। अस्पतालों में अपने लापता परिजनों की तलाश में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। अब इन अस्पतालों में मृतकों की पहचान

करने पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। अस्पतालों की दीवारों के बाहर तस्वीरें चस्पा की गई हैं, जहां बड़ी संख्या में लोग उन्हें देखकर अपने लापता परिजनों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि अब तक बरामद शवों में से केवल 17 की ही पहचान हो पाई है। कई शवों की हालत खराब होने के कारण उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है।

बागमती प्रांत पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता राजेंद्र प्रसाद धामला ने कहा, ''अब तक केवल 17 शवों की पहचान हो पाई है, क्योंकि ज्यादातर शव या तो क्षत-विक्षत हालत में हैं या उनके अंग भंग हो गए हैं।'' धामला ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद 96 शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार से पहले शवों के डीएनए नमूने एकत्र किए गए और मौजूदा नियमों के अनुसार उन्हें निर्धारित स्थानों पर सुरक्षित रखा गया है। नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जिन मृतकों की पहचान नहीं हो सकी, जिनमें लंबे समय तक पानी में रहने के कारण क्षत-विक्षत, अंग-विहीन या सड़ चुके शव शामिल हैं, उनका ''मानक और स्वीकृत प्रक्रियाओं'' के तहत अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि डीएनए विश्लेषण में विशेषज्ञता रखने वाली भारत की 18 सदस्यीय फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम नेपाल पहुंच गई है और दोनों देशों के बीच समन्वय जारी है। इस आपदा में चीन की ओर भी 16 लोगों की मौत हुई और 546 लोग लापता हैं। तिब्बत में लापता लोगों में 23 देशों के 261 विदेशी नागरिक शामिल हैं, जिनमें 49 भारतीय भी हैं। हिमालय में 26 अगस्त को हिमनद टूटने के बाद चीन की ओर बनी एक झील के कारण नेपाल में फिर से बाढ़ आने की आशंका पैदा हो गई।

हालांकि, खबरों के अनुसार, शनिवार को खतरा कम होता दिखाई दिया, क्योंकि झील का आकार घटने लगा था। रविवार को प्रसारित खबरों में कहा गया कि प्राकृतिक बांध के पास भूस्खलन के कारण एक और ''बांध झील'' बन गई है, जिसके बाद बचावकर्मियों ने इलाके को खाली कराना शुरू कर दिया। नेपाल के मौसम विभाग ने शनिवार को अचानक बाढ़ से प्रभावित इलाकों में फिर से बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की थी। नेपाल सरकार ने खोज और बचाव अभियान के लिए करीब 20,000 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया है। फंसे लोगों को निकालने और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर लगातार उड़ानें भर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नीता डुमरे की प्रमुख उपस्थिति में बालाघाट में जिला कबड्डी संघ द्वारा मनाया गया खेल दिवस..

नेशनल प्लेयर सुर्मिला उईके संहित अन्य खिलाड़ियों व खेल संगठनों का किया गया सम्मान..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिला कबड्डी संघ द्वारा मेजर ध्यानचंद की जयंती पर स्थानीय होटल शीतल पैलेस में संगोष्ठी तथा वरिष्ठ व वर्तमान उत्कृष्ट खिलाड़ियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नीता डुमरे, भारतीय रेलवे, रायपुर (छ.ग.) उपस्थित रहीं। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक अनुभा मुंजारे ने की। साथ ही अध्यक्ष जिला कबड्डी संघ बालाघाट तथा द्वय विशेष अतिथियों में कमलजीत सिंह छाबड़ा, डायरेक्टर, ड्रीम्स होंडा, बालाघाट, उमेश जायसवाल, संचालक, शीतल पलैश बालाघाट थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मेजर ध्यानचंद के फोटो पर फुल माला अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया, उसके उपरान्त सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। उद्बोधन की श्रृंखला में रमेश दीक्षित महासचिव, जिला कबड्डी संघ, बालाघाट द्वारा मेजर ध्यानचंद के जीवन प्रसंग पर एवं खेल गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। इसके उपरांत कमलजीत छावडा द्वारा बालाघाट खेल खिलाड़ी सुश्री सुशीला उईके को 5100/- रुपए देकर सम्मानित किया।

बोली नीता डुमरे..

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती नीता डुमरे ने खेल दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि उन्होंने 1984 से 1995 तक भारतीय महिला जूनियर/ सीनियर महिला टीम का प्रतिनिधित्व जर्मनी, रसिया एवं अन्य यूरोपीय देशों में किया है, साथ ही एशिया महिला हॉकी में जापान के (हीरो सीमा) में भी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है, उन्होंने खिलाड़ियों को लगन के साथ मेहनत करने की सलाह दी। साथ में पढ़ाई भी करने का सुझाव दिया।

बोली अनुभा मुंजारे..

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा दिया गया, उन्होंने खेल को आगे बढ़ाने एवं मेजर ध्यानचंद को भारत रत्न सम्मान देने के बारे में पुरजोर से कहीं और कबड्डी जैसे खेल को आगे बढ़ाने की बात भी दोहराई।

इनका किया गया सम्मान..

कार्यक्रम में हॉकी के पूर्व एवं अपने समय के उत्कृष्ट खिलाड़ियों का सम्मान किया गया, जिसमें शिवशंकर माहुले, प्रमोद तिवारी, विजय वर्मा, रमेश दीक्षित, प्रभात तिवारी, मोती कोचर तथा कबड्डी खिलाड़ियों में रामकिशोर राहंगडाले, खेमलाल वरकडे का शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह देकर तथा अन्य खिलाड़ियों जिन्होंने राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है, उन्हें भी स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर समारोह में संस्थाओं के अध्यक्ष एवं सचिव का भी सम्मान स्मृति-चिन्ह देकर किया गया, जिसमें राजेन्द्र कुमार शिवहरे, सालिगराम डोमने पूर्व पीटीआई, भीमराज ठाकरे, बीजेन्द्र उईके, उमेश सपाटे, डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार, संग्रहाध्यक्ष इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट, नरेश धुवारे, अध्यक्ष एथलेटिक्स संघ, सजन राव बैडमिंटन संघ, रुबी अली खान थाईलैंड टीम में वालीबॉल में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर सम्मानित किया गया। सम्पूर्ण मंच संचालन सुश्री सुषमा नाविक तथा समापन धन्यवाद रमेश दीक्षित महासचिव जिला कबड्डी संघ द्वारा किया गया।

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध गपशप रेस्टॉरेंट (केशर प्लाजा कॉम्पलेक्स, हनुमान चौक) में वेटर, हेल्पर की आवश्यकता है। संपर्क 9301210805, 7000671780

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शांति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविंदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा
live शहर बालाघाट
● गर्रा ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
मनीष वर्मा
मो. 9425448126
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

शिक्षा से ही आ सकता है परिवर्तन, बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करें - जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे

लोधी महिला संगठन का शपथग्रहण समारोहपूर्वक संपन्न, निकली भव्य भुजली शोभायात्रा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट में जिला महिला लोधी लोधा लोध महासभा की महिला पदाधिकारियों और ब्लॉक पदाधिकारियों का आज 30 अगस्त को शपथ ग्रहण प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती कमलेश्वरी वर्मा, विधायक अनुभा मुंजारे, जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे, लोधी महासभा के जिलाध्यक्ष डॉक्टर अशोक लिल्हारे, आलोक संघ के प्रदेशाध्यक्ष एस.के.गिरिया, प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर विजय बरैया,

लोधी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष उदयसिंह नगपुरे, जिला महिला अध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे की प्रमुख उपस्थिति में कमला नेहरू परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, भुजली गीत और आल्हा प्रसंग के साथ समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में वीरांगना अवंती बाई के तैल्यचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर पूजन किया गया।

सभी अतिथियों का शॉल श्रीफल से महासभा की जिलाध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश प्रतिनिधि के रूप में धर्मपाल नगपुरे, प्रदेश प्रवक्ता शौकत बिसाने, श्रीमती गौरी राजेश लिल्हारे, सीडी नगपुरे, दुर्गा सौलखे, बी. एल. लिल्हारे, कन्हैया मसखरे, जी. एस. नगपुरे, सुरेंद्र लिल्हारे, यशवंत लिल्हारे, सुखदेव मुनि कुतराहे, सेवानिवृत्व श्रम अधिकारी प्रभुलाल पिछोड़े, सरपंच गौरीशंकर मोहारे, ऐंचलाल मोहारे सहित अनेंक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुखदेव मुनि कुतराहे द्वारा किया गया।

नगर में निकली भुजली यात्रा-

हर साल की तरह लोधी समाज की ओर से भुजली पर्व भी मनाया गया। शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम स्थल से शोभायात्रा के रूप में सबसे पहले अवंती बाई चौक पहुंचें। जहां पर पूजन कर पुनः शोभायात्रा प्रारंभ हुई।

गीत संगीत के बीच यह शोभायात्रा पदयात्रा करते हुये अवंती बाई चौक से काली पुतली, अंबेडकर चौक होते हुये रामाबापू उद्यान मोती तालाब पहुंची। जहां पर भुजलियों की पूजा कर विसर्जन किया गया। साथ ही भुजली का वितरण कर शुभकामनायें दी गई। इस बार भी समाज की महिलाओं ने भव्य स्वरूप प्रदान कर धूमधाम के साथ मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जिले भर से महिलायें शामिल हुई।

बोले लोकेश लिल्हारे..

इस अवसर पर जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे ने कहा कि हमें अपने बच्चों को पढ़ाने के लिये प्रेरित करना चाहिए। खासकर बेटियों को पढ़ाने में पीछे ना रहे। पढ़ाई कर अच्छा नागरिक व अधिकारी बन सकते हैं। शिक्षा से ही समाज में परिवर्तन के साथ जागरूकता आ सकती हैं। उन्होने कहा कि लोधी वीरांगना अवंती बाई ने महज 26 वर्ष की उम्र में अपने शौर्य के पराक्रम दिखाया और बलिदान हो गई। जो हम सभी के लिये पूज्य हैं। हमें ऐसा कुछ करना चाहिए कि वह हर किसी को प्रेरणा व दिशा दे सके। उन्होने महिला महासभा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहा कि महिलायें की जागरूकता ही समाज में बदलाव लायेगी। परिवार में बदलाव लायेगी और आगे बढ़ने का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। महिलायें संकल्प लेवें कि वह अपनी बेटियों को पढ़ायेगी और आगे बढ़ाने में सहयोग करेगी।

बोली प्रदेश अध्यक्ष कमलेश्वरी वर्मा..

महिला लोधी महासभा की प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती कमलेश्वरी वर्मा ने कहा कि सामाजिक कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी होना बता रही है कि हमारी बहनें अब घर तक सीमित नहीं हैं। वह भी आगे बढ़ रही और कुछ करने की क्षमता रखती हैं। बावजूद अब भी समाज में बहुत करने की जरूरत है। हमें सदैव एकरूप होकर आगे आना होगा और समाज के उत्थान के लिये महिला बहनों के उत्थान के लिये कार्य करने चाहिए।

बोली विधायक अनुभा मुंजारे..

आयोजन में उपस्थित विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि वह हमेशा समाज के साथ है और आगे भी रहेगी। उन्होने आयोजन की सराहना करते हुये कहा कि जिन भी महिला बहनों को जिम्मेवारी सौंपी गई हैं वह समाज के उन्नति व प्रगति के लिये मिलकर कार्य करें। समाज में जनजागरूकता लाने के लिये कार्य करें। सभी संगठित होकर कार्य करेगें तो निश्चित ही इसके परिणाम भी मिलेगें और हमारा लक्ष्य भी तय होगा। उन्होने जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे के नेतृत्व में शिक्षा की जगायी जा रही अलख की सराहना करते हुये कहा कि शिक्षा आज की आवश्यकता है। हमें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देनी हैं और आगे बढ़ानें के लिये प्रेरित करना हैं।

बोले विधायक राजकुमार कर्राहे..

विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि निश्चित ही जो समाज शिक्षा में आगे होता है वह आगे बढ़ता हैं। हमे अपना लक्ष्य तय करने होगें। पढ़ाई के माध्यम से ही कोई भी लक्ष्य तय किया जा सकता है। अफसर हो या फिर अन्य कोई जिम्मेवारी उसमें पढ़ाई महत्वपूर्ण हैं। श्री कर्राहे ने संगठनात्मक रूप में सीख देते हुये कहा कि हम जिम्मेवारी तो ले लेते है लेकिन उसका निवर्हन नहीं कर पाते हैं। यहां भी हमारी महिला बहनों को जिम्मेवारी सौंपी गई हैं। वह लोधी समाज की महिलाओं के लिये अपनी जिम्मेवारी का निवर्हन करेगी। हम सभी को मिलकर कार्य करने की जरूरत हैं। तब ही समाज भी आगे बढ़ सकता हैं।

बोली शीला नगपुरे..

महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे ने कहा कि महासभा के प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व मंत्री जालमसिंह पटेल के अनुशंसा पर महिला महासभा के जिला व ब्लॉक पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया था। जिनका शपथ ग्रहण समारोह आज आयोजित किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को समाज हित में कार्य करने के लिये शपथ दिलाने के साथ ही नियुक्ति पत्र प्रदाय किया गया हैं।

श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर भरवेली में हवन पुजन के साथ एक माह से प्रारंभ श्री रामचरित मानस पाठ का हुआ समापन

श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर समिति ने किया कांवड़ियो व रामायण मंडली का सम्मान

जगप्रेरणा भरवेली।

श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर भरवेली में श्रावण मास के पावन अवसर पर विश्व की सबसे ऊंची 205 फीट दिव्य श्री हनुमान जी की प्रतिमा एवं भव्य मंदिर निर्माण के महासंकल्प सिद्धि हेतु 30 जुलाई से प्रारंभ हुई अखंड श्री रामचरित मानस पाठ का समापन 30 अगस्त को किया गया था। इस अवसर पर हवन पूजन कर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस दौरान मंदिर के ट्रस्टी किरणभाई त्रिवेदी सहित समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति में समिति की ओर से अखंड रामायण पाठ में शामिल भजन मंडली एवं महासंकल्प यात्रा किष्किंधा गए यात्रियों एवं महासंकल्प कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों एवं हनुमान जी महाराज की प्रतिमा स्थापना के संकल्प में सहयोग करने वाले श्रद्धालुओं को सम्मानित किया गया। समापन अवसर पर राम भोग व भंडारा वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से वैभव कश्यप, बस एसोसिएशन अध्यक्ष मुकेश चौहान, श्याम कौशल, हीरापुर सरपंच श्रीमती दिवान, नरेन्द्र महाराज, अंकित असाटी, अनिल बिसेन, संतोष अर्जुनवार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन शामिल रहे। इस संबंध में श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर के ट्रस्टी किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि विष्णुधाम हीरापुर में विश्व की सबसे ऊंची 205 फीट ऊंची हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इसके निमित्त गत तीन-चार माह से विभिन्न आयोजन किए जा रहे है। इसमें तपस्वी श्री दादा गुरू का भी श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम में आगमन हुआ था। देश की विभिन्न पवित्र नदियों का जल एवं मिट्टी लाई गई है। कोटेश्वर धाम के लिए भव्य कांवड़ यात्रा व एक माह तक श्री अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। जिसका समापन 30 अगस्त को सुबह 8 बजे हुआ। तत्पश्चात् पूर्णाहूति व हवन पूजन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि हनुमान जी की विशाल प्रतिमा के लिए भूमिपूजन का कार्य शीघ्र किया जाएगा। हमारा प्रयास है कि जल्द ही प्रतिमा स्थापित हो। इसके लिए सभी सनातनियों व धर्म प्रेमियों का सहयोग मिल रहा है। वहीं उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए वैभव कश्यप ने कहा कि 205 फीट हनुमान जी महाराज की प्रतिमा स्थापना का संकल्प जल्द पूर्ण होगा। सच्ची आस्था व विश्वास के साथ किए जाने वाला कार्य अवश्य सफल होता है। उन्होंने सभी रामभक्तों से आव्हान किया है कि वे इस संकल्प को पूरा करने में यथा शक्ति सहयोग प्रदान करें।

अनिकेत शांडिल्य ने बैहर एसडीएम का कार्यभार संभाला

जगप्रेरणा बैहर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2024 बैच के अधिकारी श्री अनिकेत शांडिल्य ने आज 30 अगस्त को बैहर एसडीएम का कार्यभार संभाल लिया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री अर्पित गुप्ता को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बड़वानी का कार्यभार ग्रहण करने के लिए बैहर एसडीएम के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

कांग्रेस ने बनाया था बैगा विकास प्राधिकरण, भाजपा सरकार में बैगा विकास प्राधिकरण को राशि देना बंद कर दिया - विधायक संजय उईके

मुख्यमंत्री के बैगा विकास प्राधिकरण एवं अन्य घोषणाओं पर दागे कांग्रेस विधायक ने सवाल, बोले केवल झूठी घोषणाओं तक सीमित है भाजपा सरकार

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बालाघाट जिले के आदिवासी ग्रामों में बैगा आदिवासीयों से मुलाकात करने एवं आदिवासीयों के हितार्थ की गई घोषणाओं को लेकर दूसरे ही दिन आज 30 अगस्त को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधायक संजय उईके ने मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर सवाल खड़े

किये हैं, तथा मुख्यमंत्री पर झूठी घोषणाओं एवं आदिवासीयों की उपेक्षा के साथ आदिवासीयों के साथ धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। विधायक संजय उईके के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रमुख रुप से पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भीम फुलसुंघे, वरिष्ठ जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अनुप सिंह बैस, शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी, नेता प्रतिपक्ष नगर पालिका पार्षद शफकत खान एवं अन्य कांग्रेस नेता उपस्थित थे। विधायक संजय उईके ने कहा कि बैगा समुदाय के विकास के लिए कांग्रेस की सरकार में केंद्र में रहते हुए 1978 में ही बैगा विकास प्राधिकरण का गठन कर दिया था। इसके बाद वर्ष 2014 में राज्य सरकार ने भी बैगा विकास प्राधिकरण बनाया था।

ऐसे में अब नए सिरे से प्राधिकरण के गठन की घोषणा के औचित्य पर सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। विधायक उइके ने कहा कि पूर्व में बैगा विकास प्राधिकरण के माध्यम से बैगा बहुल क्षेत्रों के विकास के लिए राशि उपलब्ध कराई जाती थी। हालांकि, इन मदों में मिली राशि का बैगा समुदाय के विकास के लिए कितना उपयोग किया गया, इसका स्पष्ट ब्यौरा आज तक सामने नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के गठन के बाद से बैगा विकास प्राधिकरण को मिलने वाली राशि ही बंद हो गई।

100 बैगा बहुल गांवों के लिए 225 करोड़ की घोषणा पर सवाल

विधायक संजय उइके ने मुख्यमंत्री द्वारा जिले के 100 बैगा बहुल ग्रामों के विकास के लिए 225 करोड़ रुपये की घोषणा किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने राशि की घोषणा तो कर दी, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि विकास का पैमाना क्या होगा। यह राशि किन ग्रामों में, किस प्रकार और किस योजना के तहत खर्च की जाएगी। कौन सा विभाग कितनी राशि खर्च करेगा और विकास कार्यों की निगरानी किस स्तर पर होगी, इसकी भी स्पष्ट कार्ययोजना सामने नहीं आई है। उन्होंने सरकार से इन सभी बिंदुओं पर पारदर्शिता के साथ जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की।

बैगा बहुल गांवों में बच्चों की मौत और कुपोषण का मुद्दा उठाया

विधायक उइके ने बैगा बहुल गांवों में बच्चों की मौतों और कुपोषण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि जिले में महामारी के बीच दो दर्जन से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है, लेकिन अभी तक किसी अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदारी तय नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि बैगा बहुल गांवों में बच्चों में कुपोषण की समस्या गंभीर है। कई स्थानों पर टीकाकरण का कार्य भी अपेक्षित रूप से नहीं हो पाया है। वहीं टेक होम राशन के वितरण में भी लापरवाही की शिकायतें सामने आई हैं। ऐसे में संबंधित विभागों और अधिकारियों की जवाबदारी तय कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

मेडिकल मोबाइल यूनिट के संचालन पर भी सवाल

पत्रकार वार्ता के दौरान विधायक ने जिले में संचालित मेडिकल मोबाइल यूनिट की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जिले को छह मेडिकल मोबाइल यूनिट उपलब्ध कराई गई हैं, लेकिन वर्तमान में केवल चार यूनिट ही संचालित होने की जानकारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि दो यूनिट का संचालन नहीं हो रहा है और उनके संबंध में स्थिति स्पष्ट नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि इसके अतिरिक्त एक एंबुलेंस का संचालन एनजीओ के माध्यम से किया जा रहा है। विधायक ने सरकार और प्रशासन से मेडिकल मोबाइल यूनिट की वास्तविक स्थिति, उनके संचालन और बैगा बहुल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को लेकर स्पष्ट जानकारी देने की मांग की।

विधायक संजय उइके ने कहा कि बैगा समुदाय के विकास के नाम पर केवल घोषणाएं करने के बजाय सरकार को पहले से संचालित योजनाओं और प्राधिकरण की राशि का हिसाब सार्वजनिक करना चाहिए तथा बैगा बहुल गांवों में स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए।

बालाघाट जिला खेलों में सफलता के निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है : राजेश पाठक

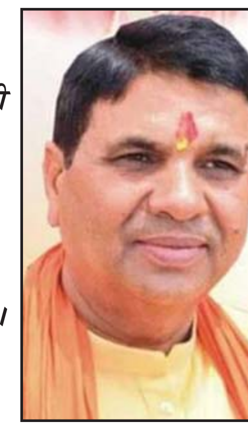

जगप्रेरणा बालाघाट।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश कबड्डी संघ के उपाध्यक्ष एवं खेल प्रेमी राजेश पाठक ने हॉकी के महान जादूगर स्वर्गीय मेजर ध्यानचंद को श्रद्धापूर्वक याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने अपने असाधारण खेल कौशल और समर्पण से

न केवल हॉकी को नई ऊंचाइयां दीं, बल्कि देश के करोड़ों युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित किया। उनकी जयंती के अवसर पर मनाया जाने वाला राष्ट्रीय खेल दिवस देश के खिलाड़ियों और खेल प्रतिभाओं के सम्मान का महत्वपूर्ण अवसर है। राजेश पाठक ने कहा कि बालाघाट जिला पिछले कुछ वर्षों से खेलों के क्षेत्र में निरंतर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहा है। जिले के अनेक प्रतिभावान खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर बालाघाट का नाम रोशन कर रहे हैं। यह जिले के लिए गौरव की बात है कि ग्रामीण और छोटे कस्बों से निकलने वाली प्रतिभाएं सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा के बल पर बड़ी प्रतियोगिताओं तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि बालाघाट में हॉकी, कबड्डी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, तैराकी, क्रिकेट सहित विभिन्न खेलों के प्रति युवाओं में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। जिले के खिलाड़ियों ने अनेक अवसरों पर राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। इससे यह साबित होता है कि यदि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, खेल मैदान, आवश्यक संसाधन और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए तो बालाघाट की प्रतिभाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक भी पहुंच सकती हैं।

खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पाठक ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण साधन हैं। खेलों से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक मजबूती, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और संघर्ष करने की क्षमता विकसित होती है। आज के समय में युवाओं को मोबाइल और डिजिटल दुनिया के बढ़ते प्रभाव के बीच खेल मैदान से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन प्रत्येक खिलाड़ी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने खेल के प्रति समर्पण बनाए रखा और भारत को हॉकी के क्षेत्र में विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। उनकी उपलब्धियां यह संदेश देती हैं कि प्रतिभा के साथ निरंतर अभ्यास, अनुशासन और देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो सफलता अवश्य प्राप्त की जा सकती है।

राजेश पाठक ने कहा कि बालाघाट में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें सही अवसर और मंच उपलब्ध कराने की है। खेल संगठनों, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, शिक्षण संस्थाओं और समाज को मिलकर खिलाड़ियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलों के लिए भी पर्याप्त समय दें और उनकी खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करें।

उन्होंने राष्ट्रीय खेल दिवस पर जिले के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल संगठनों और खेल प्रेमियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बालाघाट आने वाले समय में खेलों के क्षेत्र में और बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगा। उन्होंने युवा खिलाड़ियों का आह्वान किया कि वे लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन और ईमानदारी के साथ अभ्यास करें तथा अपने प्रदर्शन से बालाघाट और मध्यप्रदेश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करें।

विज्ञापन आमंत्रित है..
मो. हासिब खान
जिला सिवनी
संपर्क - मो. 7898530101

3 सोमवार 31 अगस्त 2026
जग प्रेरणा
live जिला सिवनी
बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

राष्ट्रीय खेल दिवस एवं मेजर ध्यानचंद जी की जयंती पर भव्य आयोजन..

जगप्रेरणा छपारा।

राष्ट्रीय खेल दिवस एवं हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के शुभ अवसर पर भाजपा खेल प्रकोष्ठ,

मध्यप्रदेश द्वारा गत दिवस 29 अगस्त 2026 को भव्य हॉकी प्रदर्शन मैच एवं खिलाड़ी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश की चार सर्वश्रेष्ठ पुरुष एवं महिला हॉकी टीमों के बीच शानदार हॉकी प्रदर्शन मैच आयोजित हुआ। बालक एवं बालिका वर्ग में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और जोश का शानदार प्रदर्शन कर खेल प्रेमियों का उत्साह बढ़ाया।

जिसमें बालक वर्गः प्रथम पुरस्कार – 51,000/- द्वितीय पुरस्कार – 31,000/-। **वहीं बालिका वर्गः** प्रथम पुरस्कार – 51,000/- द्वितीय पुरस्कार – 31,000/-

इसके साथ ही प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों, कोचों एवं खेल संस्थाओं का सम्मान कर उन्हें पुरस्कार एवं आकर्षक ट्रॉफी प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वास सारंग, खेल एवं युवक कल्याण मंत्री, मध्यप्रदेश शासन रहे। इस अवसर पर मानसिंह यादव, प्रदेश संयोजक भाजपा खेल प्रकोष्ठ सहित खेल प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारीगण एवं खेल जगत से जुड़े गणमान्यजन उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि मानसिंह यादव के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम अपनी भव्यता, उत्कृष्ट व्यवस्थाओं, खिलाड़ियों के सम्मान, पुरस्कार एवं ट्रॉफी वितरण तथा सभी के लिए की गई भोजन व्यवस्था के कारण बेहद शानदार और यादगार रहा।

वहीं उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि मेरा मानना है कि भाजपा खेल प्रकोष्ठ, मध्यप्रदेश के नेतृत्व में खिलाड़ियों, कोचों एवं खेल संस्थाओं के सम्मान के लिए इस प्रकार का प्रदेश स्तरीय आयोजन निश्चित रूप से एक नई मिसाल है। ऐसे कार्यक्रम प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। साथ ही आयोजकों ने कहा कि मानसिंह यादव एवं भाजपा खेल प्रकोष्ठ की पूरी टीम को इस शानदार एवं ऐतिहासिक आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

खिलाड़ी का सम्मान – खेल का सम्मान..

खेलेगा भारत खेलेगा मध्यप्रदेश

राष्ट्रीय खेल दिवस एवं हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर भाजपा खेल प्रकोष्ठ, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय खिलाड़ी, कोच एवं खेल संस्थाओं के सम्मान समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वास सारंग, खेल एवं युवक कल्याण मंत्री, मध्यप्रदेश शासन रहे। साथ ही मानसिंह यादव,प्रदेश संयोजक भाजपा खेल प्रकोष्ठ एवं खेल प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। मानसिंह यादव जी के कुशल नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम अपने आप में अत्यंत भव्य, शानदार और अनुकरणीय रहा। प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों, कोचों एवं खेल संस्थाओं का सम्मान, पुरस्कार एवं ट्रॉफी वितरण, साथ ही भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं का उत्कृष्ट प्रबंधन कार्यक्रम की विशेषता रहा। भाजपा खेल प्रकोष्ठ के नेतृत्व में खिलाड़ियों और खेल प्रतिभाओं के सम्मान के लिए इस प्रकार का प्रदेश स्तरीय एवं सुव्यवस्थित आयोजन एक नई मिसाल है।ऐसे आयोजन निश्चित रूप से हमारे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हैं और प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

4 सितंबर को होगा जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन

सिवनी में जुटेंगे योग खिलाड़ी, कोच एवं पदाधिकारी, विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों को मिलेगा मंच

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले में योग खेल को बढ़ावा देने और युवाओं सहित आम नागरिकों को योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 4 सितंबर शुक्रवार को जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का विशेष आयोजन किया जा

रहा है। यह प्रतियोगिता जिला सिवनी योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं महर्षि पतंजलि योग ध्यान साधना संस्थान के तत्वावधान में आयोजित होगी।

प्रतियोगिता का आयोजन माउंट लिटेरां स्कूल सिवनी में किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9 बजे से होगी और प्रतियोगिता का समापन शाम 4 बजे तक किया जाएगा। आयोजन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से योग से जुड़े खिलाड़ी, प्रशिक्षक, कोच एवं पदाधिकारी शामिल होंगे।

आयोजन महर्षि पतंजलि योग ध्यान साधना संस्थान के संस्थापक आचार्य महेंद्र मिश्रा एवं खेल विभाग के तत्वावधान में तथा माउंट लिटेरां स्कूल के संचालक अंकित मालू के सानिध्य में किया जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में अलग-अलग आयु वर्ग के प्रतिभागियों को अपनी योग प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। आयोजकों द्वारा 10 से 14 वर्ष, 15 से 21 वर्ष तथा 50 वर्ष तक की आयु के योग से जुड़े बालक-बालिकाओं, युवाओं एवं अन्य प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

आयोजकों ने योग के प्रति रुचि रखने वाले परिवारों, अभिभावकों और जागरूक नागरिकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों एवं युवाओं को योगासन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। उनका कहना है कि योग के माध्यम से बच्चों और युवाओं में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक एकाग्रता, अनुशासन और आत्मविश्वास का भी विकास होता है।

आयोजन समिति ने जिले के सभी योग खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, कोच एवं संबंधित पदाधिकारियों से प्रतियोगिता में समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों को अपनी योग प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ-साथ अन्य प्रतिभागियों से सीखने और योग खेल की नई तकनीकों से परिचित होने का अवसर भी मिलेगा।

आचार्य महेंद्र मिश्रा एवं आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों ने जिले के योग प्रेमियों से अपील करते हुए कहा कि योग को केवल दैनिक व्यायाम के रूप में न देखकर इसे खेल एवं स्वस्थ जीवनशैली के रूप में भी अपनाने की आवश्यकता है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों और युवाओं में योग के प्रति रुचि पैदा होती है और प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच मिल सकता है।वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में योग को नियमित जीवन का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ ही मन को शांत और एकाग्र रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता के माध्यम से आयोजकों का उद्देश्य जिले में योग को खेल के रूप में बढ़ावा देना, नई प्रतिभाओं की पहचान करना और अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ना है। आयोजकों ने जिलेवासियों से अपील की है कि 4 सितंबर को प्रातः 9 बजे माउंट लिटेरां स्कूल पहुंचकर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और योग के इस आयोजन को सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं।

सिवनी मे जगप्रेरणा
समाचार पत्र
के लिये संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद 7898530101

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मार्ग निर्माण की स्वीकृति पर जताया आभार

जगप्रेरणा सिवनी।

आज सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा बीटी मार्गों की स्वीकृति के लिए यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया गया है। मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास कार्य योजना के अंतर्गत

सिवनी विधानसभा क्षेत्र को दो प्रमुख बीटी मार्गों की सौगात मिली है। इस सौगात के लिए भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन ने सिवनी की जनता की ओर से प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

साथ ही कहा कि मार्गों के निर्माण से आवागमन में क्षेत्रवासियों को सुगमता मिलेगी। हाल ही में संपन्न हुई शासन की उच्च स्तरीय बैठक में सिवनी विधानसभा क्षेत्र के लिए लगभग 9.82 करोड़ (982 लाख) रुपये की लागत से बनने वाली दो बीटी सड़कों को स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसमें एनएच 44 से ग्राम बिहीरिया बीटी मार्ग लंबाई 1.55 किलोमीटर एवं ग्राम बखारी बस्ती से बखारी पंचायत पहुंच बीटी मार्ग लंबाई 1.5 किलोमीटर है।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से इन दोनों मार्गों के निर्माण की मांग की जा रही थी। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए विधायक दिनेश राय मुनमुन ने इस विषय को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से उठाया था।

दशकों पुरानी परंपरा में कजलियां पर्व पर हुआ शस्त्र पूजन एवं प्रदर्शन

कान्हीवाड़ा में युवाओं के साथ छात्राओं ने भी दिखाया शस्त्र कौशल..

जगप्रेरणा कान्हीवाड़ा।

कजलियां पर्व के अवसर पर कान्हीवाड़ा में महावीर व्यायाम शाला एवं बजरंग व्यायाम शाला के तत्वावधान में दशकों पुरानी शस्त्र पूजन एवं प्रदर्शन की परंपरा का

किया गया। इस दौरान युवाओं के साथ छात्राओं ने भी विभिन्न पारंपरिक शस्त्रों का कुशल संचालन कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में तलवार, ढाल, चाकू, बल्लम एवं फरसा सहित अन्य शस्त्रों के प्रदर्शन के साथ कई कठिन शस्त्र विद्याओं का रोमांचक प्रदर्शन किया गया। विभिन्न मंदिरों के सामने शस्त्र संचालन की कला का प्रदर्शन किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इसके बाद भव्य चल समारोह निकाला गया, जो बस स्टैंड, दुर्गा चौक एवं बाजार चौक से होते हुए विभिन्न मार्गों से गुजरा। चल समारोह के दौरान भी प्रतिभागियों द्वारा शस्त्र कौशल का प्रदर्शन किया गया। अंत में दोनों व्यायाम शालाओं में पहुंचकर चल समारोह का समापन हुआ।

आयोजकों ने बताया कि कजलियां पर्व पर शस्त्र पूजन एवं प्रदर्शन की यह परंपरा कई दशकों से निरंतर चली आ रही है। आयोजन के माध्यम से पारंपरिक शस्त्र कला, शौर्य, अनुशासन एवं व्यायाम की संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 196 तीर्थ यात्री मथुरा-वृंदावन के लिए रवाना..

जनप्रतिनिधियों ने तिलक एवं माला पहनाकर किया स्वागत..

जगप्रेरणा सिवनी।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत सिवनी जिले के 196 तीर्थ यात्री आज मथुरा-वृंदावन की तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए।

यात्रा का आयोजन 30 अगस्त से 02 सितंबर 2026 तक किया जा रहा है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित पात्र श्रद्धालु इस यात्रा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा एवं वृंदावन के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे।

यात्रा पर रवाना होने से पहले नगर पालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने तीर्थ यात्रियों का तिलक एवं माला पहनाकर स्वागत किया। जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं को मंगलमय एवं सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इसके पश्चात बस को हरी झंडी दिखाकर छिंदवाड़ा के लिए रवाना किया गया। जिले से रवाना हुए सभी तीर्थ यात्री बस के माध्यम से छिंदवाड़ा पहुंचेंगे, जहां से वे ट्रेन द्वारा मथुरा-वृंदावन की यात्रा करेंगे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को मथुरा एवं वृंदावन के प्रमुख धार्मिक एवं तीर्थ स्थलों के दर्शन का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना प्रदेश शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसके माध्यम से पात्र श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जाती है। योजना के तहत सिवनी जिले से इस चरण में 196 यात्रियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके अंतर्गत चयनित श्रद्धालु आज तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए।

तीर्थ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। यात्रा पर रवाना होते समय श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से तीर्थ दर्शन का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की और शासन के प्रति आभार जताया।

गांव से अनुभाग तक अब हर मंगलवार होगी जनसुनवाई..

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने आदेश जारी कर जनसुनवाई व्यवस्था को बनाया और अधिक प्रभावी..

इसी मंगलवार से होगी शुरुआत..

जगप्रेरणा सिवनी।

आम नागरिकों की शिकायतों, समस्याओं एवं मांगों के त्वरित, पारदर्शी एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण के लिए कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने जिले में जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के संबंध में आदेश जारी किया है।

यह व्यवस्था इसी मंगलवार से प्रभावी होगी। इसके तहत अब ग्राम पंचायत से लेकर अनुभाग स्तर तक जनसुनवाई आयोजित की जाएगी, ताकि नागरिकों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए जिला मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में उनकी समस्याओं पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

आदेश के अनुसार जिले के सभी अनुभागों में प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 11 बजे से जनसुनवाई समाप्त होने तक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अध्यक्षता में अनुभाग स्तरीय जनसुनवाई होगी। इसमें ब्लॉक एवं अनुभाग स्तर के सभी संबंधित विभागीय अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और अपने विभाग से संबंधित शिकायतों एवं आवेदनों की सुनवाई कर नियमानुसार निराकरण की कार्रवाई करेंगे। अनुभाग स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से भी जुड़े रहेंगे, जिससे जिला और अनुभाग स्तर के बीच प्रभावी समन्वय बना रहे।

ग्राम पंचायत में मौजूद रहेंगे पटवारी, सचिव और रोजगार सहायक..

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में भी प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 11 बजे से जनसुनवाई आयोजित होगी। एसडीएम द्वारा तैयार रोस्टर के अनुसार संबंधित पटवारी, पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। संबंधित कर्मचारी उक्त दिवस पूरे समय ग्राम पंचायत कार्यालय में उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याओं एवं आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। जनसुनवाई की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए कोटवारों, पंचायत सचिवों एवं अन्य मैदानी शासकीय अमले के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार भी कराया जाएगा। जिन अनुभागों में दो तहसीलें हैं, वहां एसडीएम एक सप्ताह मुख्यालय की तहसील तथा अगले सप्ताह दूसरी तहसील में जनसुनवाई आयोजित करेंगे। जनसुनवाई के बाद सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा भी अनिवार्य रूप से की जाएगी।

कलेक्टर श्रीमती मीना ने शिकायतों के निराकरण में विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, विद्युत वितरण कंपनी सहित सभी संबंधित विभाग प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार एवं निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करेंगे। समय-सीमा में शिकायत का निराकरण नहीं होने पर संबंधित मैदानी अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। भूमि के नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन आदि से जुड़े ऐसे न्यायालयीन प्रकरण, जिनमें विधिक प्रक्रिया के तहत पूर्व में आदेश पारित हो चुके हैं, उन्हें सामान्य शिकायत के रूप में निराकृत करने के स्थान पर आवेदक को संबंधित वैधानिक प्रक्रिया से अवगत कराया जाएगा। नवीन प्रकरण दर्ज किया जाना आवश्यक होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रकरण दर्ज करना सुनिश्चित किया जाएगा।

प्राप्त शिकायतों की प्रभावी निगरानी के लिए प्रत्येक शनिवार को एसडीएम द्वारा विभागवार निराकरण की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारी प्रत्यक्ष अथवा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इसमें शामिल होंगे। समीक्षा एवं जनसुनवाई का प्रतिवेदन जिला स्तरीय समय-सीमा बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं अनुभाग स्तर पर आयोजित प्रत्येक जनसुनवाई का संपूर्ण विवरण उसी दिन शाम 6 बजे तक कार्यालय लोक सेवा प्रबंधक को भेजना अनिवार्य किया गया है। अपर कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत के मध्य विभागों के विभाजन के अनुरूप जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की सतत समीक्षा एवं पर्यवेक्षण भी सुनिश्चित किया जाएगा।

आरक्षण हटाओ, समाजवाद लाओ -भाकपा

जगप्रेरणा सिवनी।

वर्तमान समय में हमारे देश में आरक्षण हटाओ और आरक्षण बचाओ इस पर पूरे देश का माहौल बहुत गर्म है आरक्षण के समर्थक और आरक्षण के विरोधी अपनी अपनी ताकत आजमा रहे हैं फिर भी कोई हल नहीं निकल रहा है कई लोगों का तर्क है कि जाति आधारित आरक्षण नहीं होना चाहिए उसे आर्थिक आधार पर होना चाहिए यह बहुत विचारणीय प्रश्न है।

अतः भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड ओम प्रकाश बोर्ड सहित डीडी वासनिक डॉ बी सी ओके राजेंद्र प्रसाद जायसवाल तीरथ प्रसाद गजभिए किरण प्रकाश राहुल कुमार यीशु प्रकाश गेंदलाल भलावी अंगद सिंह बघेल महेश पटेल शिवराज बेस मंजू ककोड़िया आदि ने आम जनता से विचार करने के लिए अपील की है कि जाति के आधार पर आरक्षण नहीं चाहिए और आर्थिक आधार चाहिए तो देश में समाजवाद लाना बहुत जरूरी है जिससे अंबानी अडानी टाटा बिरला डालमिया सिंघानिया आदि सभी कारपोरेट घरानो की संपत्ति का अधिग्रहण करके आम जनता के हित में समाजवाद लाना चाहिए इस पर सारे आरक्षण विरोधी समूह चुपचाप हो जाएंगे।

आज एकमात्र हल समाजवाद लाने का है जिस देश के तमाम बेरोजगार नौजवानों को काम मिल जाएगा और वे स्वाभिमान पूर्वक काम करके अपना जीवन यापन करेंगे।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS
मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित
सुविधाएं उपलब्ध
पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड
अकबर वार्ड सिवनी
मो.- 8817448039

Associate Dealer
रूसिया मोटर्स हीरो
वारासिवनी Hero
सेल्स । सर्विस । स्पेयर
विशेष ऑफर 5000/- लाए और आसान किश्तें में गाड़ी ले जाए।
मो.- 9425822392
पता - मेन रोड, वारासिवनी

जग प्रेरणा
वारासिवनी, कटंगी, खैरलांजी
डोंगरमाली, रामपायली, खैरलांजी, कोचेवाही, बुदबुदा, तिरोड़ी, बोनकट्टा, महकेपार..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

भुजली - कजरिया पर्व में उमड़ा उत्साह, लोकपरंपरा के साथ दिखी सामाजिक एकता

बाइक रैली से हुआ आगाज, भव्य शोभायात्रा के बाद चंदन नदी में भुजलियों का विसर्जन; मेधावी विद्यार्थियों व महिलाओं को किया सम्मानित..

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

रक्षाबंधन के अगले दिन मनाए जाने वाले पारंपरिक भुजली-कजरिया पर्व का आयोजन वारासिवनी में शनिवार को श्रद्धा, उल्लास और सामाजिक सहभागिता के साथ किया गया।

कोष्ठी कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सुबह युवाओं की बाइक रैली निकाली गई। इसके बाद कबीर कुटी भवन में ध्वज वंदन एवं समाज के वरिष्ठजनों और महानुभावों का स्वागत-सम्मान किया गया।

पर्व के तहत कबीर कुटी भवन से भव्य भुजली शोभायात्रा निकाली गई। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाएं सिर पर सजी हुई भुजली की टोकरियां लेकर चल रही थीं। शोभायात्रा में नवविवाहित महिलाओं, कन्याओं, बच्चों, युवाओं के साथ सर्वसमाज के लोगों ने भी सहभागिता की। ढोल-नगाड़ों, बैंड और डीजे की धुनों के बीच निकली शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए चंदन नदी स्थित कबीर घाट पहुंची, जहां विधि-विधान से भुजलियों का विसर्जन किया गया।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति। प्रदीप जायसवालः पूर्व मंत्री, जिन्होंने कबीर कुटी में कबीर कल्याण समिति द्वारा आयोजित भुजली महोत्सव में पहुंचकर कबीर साहेब की पूजा-अर्चना की और वरिष्ठ जनों का सम्मान किया। डॉ. योगेंद्र निर्मल भुजलीः पूर्व विधायक, जो अपनी अटल टीम के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए और कबीर साहेब की पूजा-अर्चना कर समाज के लोगों को शुभकामनाएं दीं।

विवेक पटेलः विधायक, जिन्होंने कबीर कुटी की शोभायात्रा में पहुंचकर समाज के वरिष्ठ नागरिकों को गमछा भेंट कर सम्मानित किया। कजलिया पर्व की परंपरा कृषि और लोकसंस्कृति से जुड़ी हुई है। पर्व से करीब सात दिन पूर्व कजलिया बोई जाती है, जिसकी नियमित देखभाल की जाती है। अंकुरित होकर तैयार हुई हरियाली को भुजली अथवा कजलिया के रूप में पूजा जाता है। अच्छी वर्षा, फसल की समृद्धि, परिवार की सुख-शांति और खुशहाली की कामना से जुड़े इस पर्व में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव भी निहित है। पर्व के अवसर पर एक-दूसरे को भुजलियां भेंट कर शुभकामनाएं देने तथा बड़ों का आशीर्वाद लेने की परंपरा है।

कोष्ठी कल्याण समिति के अध्यक्ष मनीष हेड़ाऊ ने बताया कि यह परंपरा बुंदेलखंड की लोकपरंपरा से जुड़ी है और समाज के पूर्वजों द्वारा करीब एक सदी से इसे आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पर्व से पूर्व नवविवाहित महिलाएं उपवास रखती हैं तथा घरों में पारंपरिक कजलिया गीत गाए जाते हैं। वर्तमान में युवाओं और सर्वसमाज की सहभागिता से इस परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी रहे।

उजैना की रस्म रही विशेष आकर्षण

भुजली पर्व के दौरान नवविवाहित महिलाओं से जुड़ी उजैना की पारंपरिक रस्म भी निभाई गई। इस अवसर पर 11 नवविवाहित महिलाएं एवं 51 कन्याएं भुजली की टोकरियां लेकर शोभायात्रा में शामिल हुईं। यह परंपरा मायके और ससुराल पक्ष के बीच आत्मीयता, सम्मान और पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने का प्रतीक मानी जाती है।

मेधावी विद्यार्थियों और महिलाओं का सम्मान

आयोजन के दौरान शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को शील्ड एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं भुजली शोभायात्रा में आकर्षक ढंग से भुजली सजाकर शामिल होने वाली महिलाओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण जनप्रतिनिधियों, पार्षदों, कोष्ठी समाज के पदाधिकारियों एवं अन्य अतिथियों द्वारा किया गया।

मिलन समारोह में दिया भाईचारे का संदेश

भुजली विसर्जन के पश्चात कबीर कुटी भवन में भुजली मिलन समारोह आयोजित किया गया। समाजजनों ने एक-दूसरे को भुजलियां भेंट कर शुभकामनाएं दीं। आयोजन में सामाजिक एकता, भाईचारे और आपसी सद्भाव का संदेश दिया गया। पर्व के माध्यम से जहां पुरानी लोकपरंपराओं को जीवंत रखने का प्रयास किया गया, वहीं विद्यार्थियों के सम्मान के जरिए शिक्षा को प्रोत्साहित करने का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर प्रियंका-राहुल गांधी विचार मंच के जिला अध्यक्ष जावेद अली, निरंजन बिसेन, अजय बिसेन सहित पार्षदगण, कोष्ठी समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में भुजली मिलन के माध्यम से लोगों ने एक-दूसरे को भुजलियां भेंट कर भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

जगप्रेरणा वारासिवनी।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी में भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह एवं विश्वास का पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री संदीप कुमार जैन,

उपप्राचार्य श्री रणवीर सिंह, शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को स्मरण करते हुए रक्षाबंधन पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रातःकालीन कार्यक्रम में रक्षाबंधन विषय पर विद्यार्थियों द्वारा सुंदर एवं भावपूर्ण कविताएं प्रस्तुत की गईं, जिनके माध्यम से भाई-बहन के अटूट प्रेम और इस पवित्र पर्व की सांस्कृतिक महत्ता को अभिव्यक्त किया गया। दोपहर में आयोजित रक्षाबंधन समारोह में विद्यालय की छात्राओं ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी तथा तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा अपने भाइयों को संप्रेम उपहार एवं मिठाई भी प्रदान की गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं खुशी का वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर छात्राओं ने विद्यालय के प्राचार्य, उपप्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अन्य कर्मचारियों को भी राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य महोदय द्वारा विद्यार्थियों को उपहार प्रदान किए गए, जिससे विद्यार्थियों की खुशी और उत्साह और अधिक बढ़ गया। दोपहर के पश्चात विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावक भी विद्यालय पहुंचे और अपने बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस दौरान विद्यालय परिसर में दिनभर रक्षाबंधन का उल्लासपूर्ण एवं पारिवारिक वातावरण बना रहा। अभिभावकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा एवं आनंद को और अधिक बढ़ा दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री दीपेश कुमार जैन, टीजीटी हिंदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में उपप्राचार्य श्री रणवीर सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अन्य कर्मचारियों ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक श्री बी. आर. पटेल द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

इस प्रकार पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी में रक्षाबंधन का पावन पर्व पूरे दिन हर्षोल्लास, प्रेम, स्नेह एवं भाईचारे के वातावरण में मनाया गया और एक अत्यंत सुंदर एवं यादगार कार्यक्रम के रूप में संपन्न हुआ।

संत रविदास जयंती पर निकली कलश वंदन एवं समरसता संकल्प यात्रा..

नगर भ्रमण के दौरान सामाजिक एकता और समरसता का दिया संदेश

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर रविवार को वारासिवनी नगर मंडल में कलश वंदन एवं समरसता संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा स्थानीय रेस्ट हाउस में विश्राम के बाद नगर भ्रमण के लिए रवाना हुई।

इस दौरान श्रद्धालुओं एवं कार्यकर्ताओं ने सामाजिक एकता, भाईचारे और समरसता का संदेश दिया। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज महान संत एवं समाज सुधारक के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने अपने जीवन और वाणी के माध्यम से समाज में फैली ऊंच-नीच और भेदभाव की भावना का विरोध करते हुए सभी को समानता और भाईचारे का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट रहने और मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देते हैं।

गुरु रविदास जी ने भक्ति के साथ-साथ समाज में समानता और सद्भाव की भावना को मजबूत करने का कार्य किया। उनका मानना था कि मनुष्य की पहचान उसके कर्म और आचरण से होनी चाहिए, न कि जाति या किसी अन्य भेदभाव से। उनके विचारों से प्रेरणा लेकर समरस समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया।

यात्रा में भारतीय जनता पार्टी जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, नगर मंडल प्रभारी अभय कोचर, नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ अध्यक्ष ढीलन सिंह तारम, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष सिद्धार्थ मेश्राम, सद्गुरु रविदास सामाजिक संगठन ब्लॉक वारासिवनी अध्यक्ष प्रवीण खरोले, पूर्व मंडल अध्यक्ष चिरोजी पारधी, शैलेन्द्र सेठी, उपाध्यक्ष श्याम लाल बारेकर, अरमान खान, मनोज दांदरे, आलोक खरे, प्रवीण रूसिया, प्रबल जायसवाल, मिथलेश बुरड़े, शशांक डोंगरे, मनोज लिल्हारे, जीतू पुरी सहित सामाजिक बंधु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवाओं को समाज सेवा से जुड़ने का विधायक गौरव सिंह पारधी ने किया आह्वान

कटंगी महाविद्यालय में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम का प्रवेश उत्सव संपन्न

जगप्रेरणा कटंगी।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटंगी के तत्वावधान में राजा भोज शासकीय महाविद्यालय, कटंगी में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के नवीन छात्र-छात्राओं का प्रवेश उत्सव आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में नवीन विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके पश्चात विधायक गौरव सिंह पारधी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया।

समाज को नई दिशा देने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : विधायक गौरव सिंह पारधी

इसके बाद मुख्य अतिथि विधायक गौरव सिंह पारधी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी समाज के क्षेत्र में कार्य करने की भावना के साथ इस पाठ्यक्रम से जुड़े हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यदि युवा मन लगाकर इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे और इसके माध्यम से प्राप्त ज्ञान को समाज के बीच व्यवहार में उतारेंगे, तो निश्चित रूप से क्षेत्र में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन आएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अवधारणा के अनुरूप यह पाठ्यक्रम युवाओं को सामाजिक दायित्वों से जोड़ते हुए समाज को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा की दी गई जानकारी

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र भगत ने मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के उद्देश्य, स्वरूप एवं गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पाठ्यक्रम के माध्यम से युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने और उन्हें समाज के बीच नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

नवीन विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की पुस्तकों का वितरण एवं नशामुक्ति की दिलाई शपथ

कार्यक्रम के दौरान विधायक गौरव सिंह पारधी ने नवीन छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की पुस्तकें वितरित कीं। उन्होंने विद्यार्थियों से अध्ययन के साथ सामाजिक सरोकारों को समझने और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस दौरान छात्र-छात्राओं को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर संदीप शर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए पाठ्यक्रम से जुड़े अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। कार्यक्रम का सफल संचालन परामर्शदाता अरविंद दरवाडे ने किया। इस अवसर पर संदीप शर्मा, सुरेंद्र भगत, अरविंद दरवाडे, राज ब्योत्रा, अंजू डोंगरे, शालू रावत, टिंकल वाघमारे, शिव गोस्वामी, हरिया पटले, गोविंद रावतकर, रश्मि बोपचे, सुंदरलाल हरदेव सहित अन्य परामर्शदाता, जन अभियान परिषद से जुड़े कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत तिरोड़ी में सम्पन्न हुआ स्वच्छता और सौंदर्यीकरण अभियांन् का दूसरा चरण..

समाजसेवी प्रत्यूष दुबे के नेतृत्व में हुआ सत्तीमाई सरोवर विसर्जन घाट का साफ सफाई कार्य..

जगप्रेरणा तिरोड़ी।

ग्राम पंचायत तिरोड़ी में चरणबद्ध तरीके से चलाएं जा रहे वृहद स्वच्छता अभियान की श्रृंखला में आज द्वितीय चरण के अंतर्गत पुरानी तिरोड़ी मोक्ष धाम में फैले कचरे और झाड़ियों की साफ सफाई का कार्य

संपन्न किया गया। समाजसेवी प्रत्यूष दुबे ने बतलाया कि अपने तिरोडी को साफस्वच्छ और सुंदर बनाने के संकल्प से ग्रामीण जनो द्वारा वृहद एवं चरणबद्ध स्वच्छता और सौदर्यिकरण अभियान प्रारम्भ किया गया है। जिसके प्रथम चरण में खंडितोला मोक्षधाम की एक एकड़ से अधिक भूमि साफकर उपयोग्युक्त बनाई गई। अभियान के दूसरे चरण में आज पुरानी तिरोड़ी मोक्षधाम में साफ सफाई, झाड़ियों से मुक्ति और वृहद वृक्षारोपण किये गये। इसके उपरांत आगामी पर्वों और विसर्जन को दृष्टिगत रख प्रचीन सक्तिमाई सरोवर विसर्जन घाट को साफकर उपयोग्युक्त बनाया गाय।

श्री दुबे द्वारा तिरोड़ी वालों से आह्वाहन किया गाय है की नगर में कहीं भी अनायास कूड़ा फेकने से बचे नदी, नहर और तलाबों के घाटों पर कूड़ा करकट और अपशिष्ट पदार्थ ना बहायें। अपने तिरोड़ी को साफस्वच्छ और सुंदर रखना हम सभी ग्रामवासियों की जिम्मेदारी है। अगले चरण में जामरापानी रोड स्थित नगर के मुख्य शमशान घाट की वृहद सफाई और वृक्षारोपण सम्पन्न किया जायेगा, जिसमे तिरोड़ी के सभी आमजन से सम्मीलित होने की अपील भी की है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

रामपायली गांव - गांव शराब की गिरफ्त में रामपायली! बढ़ते नशे के बीच बिगड़ता सामाजिक माहौल, आखिर कब जागेगा प्रशासन?..

शराब के बढ़ते चलन से आए दिन विवाद और अप्रिय घटनाएं, युवा पीढ़ी के भविष्य पर मंडराया खतरा

जगप्रेरणा रामपायली।

कभी अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान के लिए जाना जाने वाला रामपायली नगर और आसपास का ग्रामीण क्षेत्र इन दिनों एक गंभीर सामाजिक समस्या की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है।

गांव-गांव में शराब की सहज उपलब्धता और बढ़ते शराब सेवन को लेकर ग्रामीणों में चिंता बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शराब अब केवल कुछ चुनिंदा स्थानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि अनेक गांवों और बस्तियों में आसानी से उपलब्ध होने लगी है।

शराब के बढ़ते चलन का असर अब परिवारों से निकलकर सार्वजनिक जीवन में भी दिखाई देने लगा है। आए दिन होने वाले विवाद, आपसी झगड़े, घरेलू कलह और अन्य अप्रिय घटनाओं के पीछे नशे की भूमिका को लेकर लोगों में चिंता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

शराब की आसान उपलब्धता बनी चिंता का कारण

ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की उपलब्धता को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब शराब की बिक्री के लिए नियम और व्यवस्थाएं निर्धारित हैं, तो गांव-गांव तक इसकी पहुंच कैसे बन रही है?

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई स्थानों पर शराब आसानी से उपलब्ध हो जाती है। इसका सबसे अधिक प्रभाव युवाओं पर पड़ रहा है। रोजगार, शिक्षा और बेहतर भविष्य की तलाश करने वाली युवा पीढ़ी यदि नशे की गिरफ्त में आती है तो इसका नुकसान केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा परिवार और समाज प्रभावित होता है।

नशे के बाद बढ़ते विवादों से सामाजिक शांति पर असर

शराब के सेवन के बाद होने वाले विवाद अब कई परिवारों के लिए परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। नशे की हालत में छोटी-छोटी बातों पर विवाद बढ़ना, गाली-गलौज, मारपीट और पारिवारिक कलह जैसी परिस्थितियां सामाजिक वातावरण को प्रभावित करती हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन घटनाओं का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष असर बच्चों पर भी पड़ता है। जिस उम्र में बच्चों को शिक्षा, संस्कार और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए, उसी उम्र में यदि वे घर में नशे और विवाद का माहौल देखते हैं तो उनके मानसिक और सामाजिक विकास पर भी इसका असर पड़ सकता है।

महिलाओं और परिवारों की परेशानी भी बढ़ी

शराब की समस्या का सबसे ज्यादा खामियाजा कई बार परिवार की महिलाओं और बच्चों को भुगतना पड़ता है। मेहनत से कमाई गई राशि का बड़ा हिस्सा शराब में खर्च होने से परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है। इसके बाद घर में तनाव और विवाद की स्थिति पैदा होती है।

ग्रामीणों का कहना है कि शराब केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली चीज नहीं है, बल्कि यह परिवार की आर्थिक स्थिति, बच्चों की शिक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और घरेलू शांति तक को प्रभावित कर सकती है।

युवाओं को नशे से बचाना सबसे बड़ी चुनौती

रामपायली क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी चिंता युवा वर्ग को लेकर है। आज मोबाइल, इंटरनेट और बदलती जीवनशैली के दौर में युवाओं के सामने पहले ही कई चुनौतियां हैं। ऐसे समय में शराब और अन्य नशे की आसान उपलब्धता उनके भविष्य को प्रभावित कर सकती है।

जरूरत इस बात की है कि केवल शराब की बिक्री पर कार्रवाई करने के बजाय गांवों में नशामुक्ति जागरूकता अभियान, युवाओं के लिए खेल गतिविधियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रोजगारपरक गतिविधियां भी बढ़ाई जाएं।

सवाल सिर्फशराब का नहीं, आने वाली पीढ़ी के भविष्य का है

यह समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। यह पूरे समाज के भविष्य से जुड़ा सवाल है।

यदि किसी गांव में शराब आसानी से उपलब्ध है और युवा पीढ़ी लगातार उसके संपर्क में आ रही है, तो इसका असर कुछ वर्षों बाद दिखाई देगा। इसलिए प्रशासन, पुलिस, आबकारी विभाग, जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों–सभी को मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे।

प्रशासन से ग्रामीणों की अपेक्षा–नियमों का हो सख्ती से पालन

ग्रामीणों की मांग है कि शराब की अवैध बिक्री अथवा नियमों के विपरीत बिक्री की शिकायतों की निष्पक्ष जांच की जाए। गांव-गांव में शराब की उपलब्धता को लेकर प्रशासन द्वारा प्रभावी निगरानी की जाए और यदि कहीं अवैध बिक्री पाई जाती है तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।

साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका वास्तविक प्रभाव जमीन पर दिखाई दे।

जनता भी निभाए अपनी जिम्मेदारी

शराब के खिलाफ लड़ाई केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। परिवारों को बच्चों और युवाओं से संवाद करना होगा। सामाजिक संगठनों को नशामुक्ति अभियान चलाने होंगे और ग्रामीणों को भी अवैध शराब की बिक्री की जानकारी संबंधित विभाग तक पहुंचानी होगी।

रामपायली को यदि धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की पहचान के साथ आगे बढ़ाना है, तो उसके सामाजिक वातावरण को भी सुरक्षित और स्वस्थ बनाना होगा।

अब जरूरत है ठोस कदम की

गांव-गांव शराब की पहुंच और उससे जुड़ी अप्रिय घटनाओं को लेकर उठ रही आवाज को महज शिकायत समझकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। प्रशासन यदि समय रहते प्रभावी कदम उठाता है तो नशे के बढ़ते प्रभाव को नियंत्रित किया जा सकता है।

क्योंकि सवाल सिर्फ आज की शांति का नहीं है–सवाल रामपायली की आने वाली पीढ़ी का है। क्या प्रशासन गांव-गांव में शराब की उपलब्धता की वास्तविक स्थिति की जांच कराएगा? क्या अवैध बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई होगी? और क्या रामपायली क्षेत्र को नशामुक्त बनाने के लिए कोई व्यापक अभियान शुरू किया जाएगा?गांव-गांव शराब की गिरफ्त में रामपायली! बढ़ते नशे के बीच बिगड़ता सामाजिक माहौल, आखिर कब जागेगा प्रशासन?

कभी अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान के लिए जाना जाने वाला रामपायली नगर और आसपास का ग्रामीण क्षेत्र इन दिनों तेजी से बढ़ती शराबखोरी की समस्या को लेकर चिंता के दौर से गुजर रहा है। गांव-गांव में शराब की सहज उपलब्धता और इसके बढ़ते सेवन को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी और चिंता दोनों दिखाई दे रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शराब अब केवल निर्धारित दुकानों तक सीमित रहने के बजाय कई गांवों और बस्तियों तक आसानी से पहुंच रही है।

शराब के बढ़ते चलन का असर अब केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसका प्रभाव परिवार, युवा पीढ़ी, सामाजिक वातावरण और कानून-व्यवस्था तक दिखाई देने लगा है। आए दिन होने वाले विवाद, आपसी झगड़े, घरेलू कलह और अन्य अप्रिय घटनाओं में नशे की भूमिका को लेकर लोगों में चिंता बढ़ रही है।

'अवैध शराब का कारोबार रामपायली की प्रतिष्ठा पर लगा रहा धब्बा'

नगर के ग्राम पंचायत सदस्य श्री पीयूष अग्रवाल ने क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही अवैध शराब की बिक्री को लेकर गंभीर

चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि नगर में तेजी से फैल रहा अवैध शराब का कारोबार न केवल युवाओं और परिवारों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि इससे रामपायली नगर की प्रतिष्ठा पर भी धब्बा लग रहा है। श्री अग्रवाल के अनुसार, रामपायली की पहचान धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नगर के रूप में रही है। ऐसे में यदि नगर और आसपास के गांवों में अवैध रूप से शराब की बिक्री बढ़ती है और इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होता, तो इसका सीधा असर नगर की सामाजिक छवि पर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि शराब की समस्या को केवल एक व्यापार या कानून-व्यवस्था के सामान्य विषय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसके पीछे युवाओं का भविष्य, परिवारों की आर्थिक स्थिति और समाज का वातावरण जुड़ा हुआ है। यदि आज इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आने वाले समय में इसके दुष्परिणाम और अधिक व्यापक हो सकते हैं।

गांव-गांव शराब की पहुंच ने बढ़ाई चिंता

ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि यदि शराब की बिक्री के लिए निर्धारित नियम और व्यवस्थाएं हैं, तो आखिर गांव-गांव तक इसकी पहुंच कैसे बन रही है?

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई स्थानों पर शराब आसानी से उपलब्ध हो जाती है। इससे उन लोगों के लिए भी शराब तक पहुंच आसान हो रही है जो पहले इससे दूर थे। विशेष रूप से युवा वर्ग को लेकर चिंता अधिक है।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस उम्र में युवाओं को शिक्षा, रोजगार, खेल और अपने भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, उस उम्र में यदि उन्हें शराब सहज रूप से उपलब्ध होने लगे तो यह पूरे समाज के लिए गंभीर खतरे की घंटी है।

नशे के बाद विवाद, घरेलू कलह और सामाजिक अशांति

शराब के सेवन के बाद होने वाले विवाद अब कई परिवारों के लिए परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। छोटी-छोटी बातों पर विवाद बढ़ना, गाली-गलौज, मारपीट और घरेलू कलह जैसी परिस्थितियां सामाजिक शांति को प्रभावित करती हैं।

इसका सबसे अधिक असर महिलाओं और बच्चों पर पड़ता है। परिवार की मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा यदि शराब में खर्च होने लगे तो घर की आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है। आर्थिक परेशानी के साथ तनाव बढ़ता है और कई बार यही तनाव पारिवारिक विवाद का रूप ले लेता है।

बच्चों पर इसका प्रभाव और भी गंभीर हो सकता है। जिस घर में उन्हें शिक्षा, संस्कार और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए, यदि वहां उन्हें लगातार नशे और विवाद का माहौल दिखाई दे तो उनके मानसिक और सामाजिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

युवा पीढ़ी को बचाना सबसे बड़ी चुनौती

रामपायली क्षेत्र में बढ़ती शराब की उपलब्धता का सबसे गंभीर पहलू युवा पीढ़ी से जुड़ा हुआ है। आज जब युवाओं के सामने शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगिता और भविष्य निर्माण जैसी अनेक चुनौतियां हैं, ऐसे समय में नशे की आसान उपलब्धता उनके सपनों पर पानी फेर सकती है। श्री पीयूष अग्रवाल का कहना है कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए केवल कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं होगी। प्रशासन के साथ-साथ समाज को भी आगे आना होगा। गांवों में खेल गतिविधियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, युवा संवाद, रोजगारपरक गतिविधियां और नशामुक्ति जागरूकता अभियान बढ़ाने की जरूरत है।

सवाल शराब का ही नहीं, रामपायली की पहचान का भी

रामपायली को धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में नगर का सामाजिक वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि एक ओर रामपायली को पर्यटन और धार्मिक नगरी के रूप में विकसित करने की बात हो और दूसरी ओर नगर तथा आसपास के गांवों में अवैध शराब का कारोबार तेजी से बढ़ता दिखाई दे, तो यह विरोधाभास निश्चित रूप से चिंता पैदा करता है। नगरवासियों का कहना है कि किसी भी क्षेत्र की पहचान केवल उसके ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों से नहीं बनती, बल्कि वहां का सामाजिक वातावरण भी उसकी प्रतिष्ठा निर्धारित करता है।

प्रशासन से ग्रामीणों की सीधी अपेक्षा–हो प्रभावी जांच

ग्रामीणों और नगरवासियों की मांग है कि गांव-गांव में शराब की उपलब्धता की वास्तविक स्थिति की निष्पक्ष जांच कराई जाए। जहां भी अवैध शराब की बिक्री या नियमों के विपरीत गतिविधियां सामने आती हैं, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कार्रवाई केवल कागजी खानापूर्ति तक सीमित न रहे। नियमित निगरानी, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी निरीक्षण की आवश्यकता है। यदि शराब की बिक्री वैध व्यवस्था के तहत हो रही है तो उसके निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करना भी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। वहीं यदि कहीं अवैध बिक्री हो रही है तो उसके स्रोत और नेटवर्क तक पहुंचकर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है।

जनप्रतिनिधि और समाज भी निभाएं जिम्मेदारी

शराब के खिलाफलड़ाई केवल पुलिस, आबकारी विभाग या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों, सामाजिक संगठनों, युवाओं और आम नागरिकों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी।

परिवारों को बच्चों और युवाओं से संवाद बढ़ाना होगा। सामाजिक संगठनों को नशामुक्ति अभियान चलाने होंगे और ग्रामीणों को अवैध शराब की बिक्री की जानकारी संबंधित विभागों तक पहुंचानी होगी।

युवा ग्राम पंचायत सदस्य पीयूष अग्रवाल द्वारा इस मुद्दे को उठाया जाना भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण सामाजिक हस्तक्षेप के रूप में देखा जा रहा है। अब जरूरत इस बात की है कि इस चिंता को प्रशासन और संबंधित विभाग भी गंभीरता से लें और जमीन पर प्रभावी कदम दिखाई दें।

क्या रामपायली को नशामुक्त बनाने की दिशा में उठेगा कदम?

गांव-गांव शराब की पहुंच और उससे जुड़ी अप्रिय घटनाओं को लेकर उठ रही आवाज को महज शिकायत समझकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। यह एक ऐसा विषय है जिसका असर आने वाले वर्षों में समाज की दिशा पर पड़ सकता है।

प्रशासन के सामने अब कई सवाल हैं–

क्या रामपायली नगर और आसपास के गांवों में शराब की उपलब्धता की वास्तविक स्थिति की व्यापक जांच कराई जाएगी?

क्या अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई होगी?

क्या शराब बिक्री के निर्धारित नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा?

क्या युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया जाएगा?

और सबसे बड़ा सवाल–क्या रामपायली को धार्मिक और पर्यटन नगरी के साथ-साथ एक स्वस्थ और नशामुक्त सामाजिक वातावरण देने की दिशा में ठोस पहल होगी?

रामपायली की पहचान उसकी धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सौहार्द से है। इस पहचान को मजबूत बनाए रखना केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

क्योंकि सवाल सिर्फआज की शांति का नहीं है–सवाल रामपायली की आने वाली पीढ़ी, परिवारों की खुशहाली और नगर की प्रतिष्ठा का है। बहरहाल गली गली में शोर है रामपायली में शराब का जोर है वाली कहावत अब तेजी से ऐतिहासिक नगरी में प्रख्यात होती जा रही है जहां तहां शराबियों की धमा चौकड़ी ने निर्दोष नागरिकों की परेशानी का मूल कारण बने हुए हैं सार्वजनिक स्थानों में शराबियों का उत्पाद और अश्लील गाली-गलौज विगत लंबे समय से निर्बाध रूप से जारी है जबकि पुलिस प्रशासन इस गंभीर चुनौती का सामना करने में लाचार बेबस दिखाई दे रहा है क्योंकि विगत दिवस बस स्टैंड में एक शराबी द्वारा उत्पाद मचाया जा रहा था जिस पर पुलिस थाने में पदस्थ आरक्षक ने विरोध किया लेकिन वह शराबी उसके विरोध का प्रतिकार करते हुए खुलेआम पुलिस को चुनौती देते हुए गंदी-गंदी गलियों से पुलिस को नवाजा गया ऐसी हरकतें अब आम होती जा रही है क्योंकि अवैध शराब का बोलबाला जहां तहां आसानी से उपलब्धता इस बात का घोतक है कि आबकारी विभाग और पुलिस विभाग मौन व्रत धारण किए हुए हैं जबकि निर्दोष नागरिक दंड भुगतने के लिए हर संभव मुश्किल में आता दिखाई दे रहा है जिले के पुलिस अधीक्षक इस ओर कब अपनी पैनी नजर इनायत करेंगे यह तो राम भरोसे है लेकिन दुखदाई विषय यह है कि लाइसेंसी दुकान के अलावा नगर और क्षेत्र में जहां तहां शराबों के अड्डे खुलेआम संचालित होकर पुलिस की आबकारी विभाग की निगरानी में चल रहे हैं जिस पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का ना होना अब आम नागरिकों के असंतोष का कारण बनते जा रहा है इस दिशा में वरिष्ठ नागरिकों ने मांग की है कि शराबियों के खिलाफमुहिम चलाई जाए जिससे आने-जाने वाले सार्वजनिक स्थानों में खड़े नागरिकों को इनके चलते उनके उत्पाद के चलते परेशानियों का सामना न करना पड़े अभिलंब कार्रवाई नहीं की गई तो अति शीघ्र आंदोलन के लिए आम नागरिक विवश हो सकता है नगर के युवा पंच पीयूष अग्रवाल ने एक संगोष्ठी सभा में बताया कि जहां-तहां मिल रही अवैध शराब अब रामनगरी के लिए अभिशाप बनती जा रही है और पुलिस का ध्यान न जाना भी शर्मसार जान पड़ता है इस दिशा में पुलिस को सकारात्मक कार्रवाई कर उत्पाद मचा रहे शराबियों को जेल की हवा खिलाना चाहिए जिससे निर्दोष नागरिकों को परेशानियों का दंश झेलने की विवशता से मुक्ति मिल सके।

डेढ़ साल से लापता 22 वर्षीय युवती नागपुर से सकुशल दस्तयाब..

घुघरी पुलिस की टीम ने सूचना तंत्र के आधार पर की कार्रवाई, परिजनों को सौंपा

जगप्रेरणा घुघरी।

थाना घुघरी पुलिस ने पिछले करीब डेढ़ साल से लापता चल रही 22 वर्षीय युवती को महाराष्ट्र के नागपुर से सकुशल दस्तयाब कर लिया।

आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने युवती को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। लंबे समय बाद बेटी के सकुशल घर लौटने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार जताया। पुलिस के अनुसार ग्राम सैलवारा निवासी भब्बू नंदा की 22 वर्षीय बेटी नंदनी लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर थाना घुघरी में 14 जनवरी 2025 को गुम इंसान का प्रकरण दर्ज किया गया था। इसके बाद से पुलिस लगातार युवती की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने संभावित ठिकानों पर तलाश करने के साथ ही सूचना तंत्र को भी सक्रिय रखा था।

थाना प्रभारी प्रकाश चंद्र सेन के निर्देशन में पुलिस टीम को युवती के महाराष्ट्र के नागपुर में होने की पुख्ता सूचना मिली। इसके बाद उप निरीक्षक रामकिशोर माथरे के नेतृत्व में पुलिस टीम नागपुर रवाना हुई। टीम ने वहां से युवती को सकुशल दस्तयाब कर लिया।

पुलिस की कार्रवाई के बाद युवती को घुघरी लाया गया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर परिजनों को सौंप दिया गया। बेटी के सकुशल वापस मिलने पर परिवार में खुशी का माहौल रहा। परिजनों ने युवती की तलाश में लगातार प्रयास करने के लिए घुघरी पुलिस का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान: सरकारी विद्यालय सात दिन में नहीं खुला तो धरना देगी कॉजपा

जयपुर, (भाषा)।

राजस्थान के जयपुर में भट्टा बस्ती स्थित एक सरकारी विद्यालय का जायजा लेने पहुं ची कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की एक टीम ने रविवार को विद्यालय को दोबारा खोलने के लिए सात दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि तय समय में विद्यालय नहीं खोला गया तो स्थानीय लोगों के साथ धरना दिया जाएगा।

कॉजपा की राष्ट्रीय सचिव रेखा शर्मा के नेतृत्व में संगठन की एक टीम भट्टा बस्ती के न्यू संजय नगर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय पहुंची, जहां विद्यालय भवन पर ताला लगा मिला।

कार्यकर्ताओं ने स्थानीय निवासियों से विद्यालय बंद होने और इससे बच्चों की शिक्षा पर पड़ रहे प्रभाव के बारे में जानकारी ली।

कॉजपा ने विद्यालय को जल्द से जल्द फिर से खोलने की मांग की।

संगठन ने दावा किया कि विद्यालय बंद होने के बाद कई विद्यार्थियों ने पढ़ाई छोड़ दी है। रेखा शर्मा ने कहा, ÷स्थानीय लोगों ने हमें जो बताया, यहां वही स्थिति देखने को मिली।

बच्चों को पढ़ने का अवसर नहीं मिल रहा है और विद्यालय पर ताला लगा हुआ है।

अगर सात दिन के भीतर विद्यालय नहीं खोला गया तो कॉजपा स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन करेगी।

हम विद्यालय को दोबारा खुलवाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।÷

स्थानीय कार्यकर्ता अमीन कायमखानी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारियों ने क्षेत्र के साथ भेदभाव किया है और स्थानीय विधायक ने केवल धर्म आधारित राजनीति की है।

इस दौरान कई स्थानीय निवासी भी मौजूद रहे और उन्होंने विद्यालय में नियमित कक्षाएं शुरू करने की मांग की।

यह पहल कॉजपा के 'विद्यालय ठीक करो' अभियान का एक हिस्सा है।

इससे पहले जयपुर के रामपुरा कंवरपुरा स्थित सरकारी विद्यालय पहुंचा कॉजपा की टीम को ग्रामीणों ने गांव में प्रवेश करने से रोक दिया था, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की हुई थी।

इसके बाद शिवदासपुरा थाने में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफप्राथमिकी दर्ज कराई गई थी

जग प्रेरणा

खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

सीरिया के खिलाफ एएफसी अंडर-20 एशियाई कप क्वालीफाइंग अभियान शुरू करेगा भारत..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

भारतीय टीम सोमवार को एएफसी अंडर-20 एशियाई कप चीन 2027 क्वालीफायर में सीरिया के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। डोस्तलिक स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में भारत की नजर इस स्तर पर सीरिया के खिलाफ पहली जीत दर्ज करने पर होगी।

दोनों टीम अब तक प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में केवल दो बार आमने-सामने हुई हैं और दोनों मुकाबलों में भारत को हार मिली है। 1996 के एएफसी युवा चैंपियनशिप में भारत 0-1 और 2004 में 1-2 से हारा था। भारत के मुख्य कोच महेश गवली ने सीरिया को अनुभवी और मजबूत टीम बताते हुए कहा कि उनकी टीम का मुख्य ध्यान अपनी रणनीति पर अमल करने और पूरे 90 मिनट तक अनुशासित रहने पर होगा।

गवली ने कहा, 'सीरिया एक अच्छी और इस स्तर पर काफी अनुभवी टीम है। हम उसका सम्मान करते हैं। हमने उसकी टीम का अध्ययन किया है और हमें अंदाजा है कि मुकाबले में क्या उम्मीद की जा सकती है। हमारा मुख्य ध्यान अपने खेल पर रहेगा।' उन्होंने कहा, 'जब गेंद हमारे पास ना रहे तब भी हमें अपने खेल में अच्छी तरह व्यवस्थित रहना होगा और जब भी मौके मिलें उनका पूरा फायदा उठाना होगा। मुकाबला कड़ा होने की उम्मीद है और हमें पूरे 90 मिनट तक अपना ध्यान बनाए रखना होगा।'

सीरिया की टीम 1994 में एएफसी अंडर-19 चैंपियनशिप का खिताब जीत चुकी है और हाल की दो एएफसी अंडर-20 एशियाई कप प्रतियोगिताओं के लिए भी क्वालीफाई कर चुकी है। नीदरलैंड के अर्नो ब्यूटेनवेग के मार्गदर्शन में खेल रही सीरिया की टीम भारत के लिए अभियान की चुनौतीपूर्ण शुरुआत पेश करेगी। भारत को अच्छी तरह पता है कि उज्बेकिस्तान और बांग्लादेश जैसी टीमों वाले ग्रुप बी में गलती की कोई खास गुंजाइश नहीं होगी।

भारत 2006 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में जगह बनाने का लक्ष्य लेकर उतरा है। भारत पिछली बार 2025 क्वालीफायर में बेहद करीब जाकर चूक गया था और गोल अंतर के कारण सर्वश्रेष्ठ उपविजेता टीम में जगह नहीं बना सका था। मौजूदा टीम ने क्वालीफायर से पहले लंबे समय तक तैयारी की है। अगस्त में भारत ने सिंगापुर और यमन के खिलाफ चार अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेले, जिनमें सिंगापुर को दोनों बार हराया जबकि यमन के खिलाफएक मैच ड्रॉ रहा और दूसरे में जीत दर्ज की।

टीम बृहस्पतिवार को ताशकंद पहुंची और अब तक तीन अभ्यास सत्र कर चुकी है। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे शुरू होगा।

'इंडियाज गॉट लेटेंट' से जुड़ा नया विवाद, अब बिहारी-कश्मीरी कमेंट पर घिरे समय रैना, सोशल मीडिया पर मचा बवाल..

डेस्क जगप्रेरणा।

कॉमेडियन समय रैना एक बार फिर अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' को लेकर विवादों में घिर गए हैं। शो के हालिया एपिसोड में बिहार और कश्मीर पर हुई टिप्पणी के चलते नया बवाल खड़ा हो गया है।

शो के लेटेस्ट एपिसोड में 'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन वन की शेरॉन वर्मा भी बतौर पैनलिस्ट शामिल हुई थीं, जिनसे बातचीत के दौरान समय रैना ने बिहारियों से जुड़ा जोक मारा, जिसके जवाब में शेरॉन ने भी कश्मीरी पंडितों पर कमेंट किया, जिसके चलते अब शो एक नए विवाद में घिर गया है। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि शो में जानबूझकर कश्मीरी और बिहारियों की भावनाओं को आहत करने के लिए इस तरह के कमेंट किए गए हैं। वहीं इस पूरे विवाद में अब कई राजनीतिक दलों की भी एंट्री हो गई है।

समय रैना के शो पर फिर विवाद..

एएनआई के अनुसार, शिवसेना नेता आनंद दुबे ने कॉमेडियन समय रैना के कमेंट और शो की आलोचना की है और बिहार के एजुकेशन मिनिस्टर मिथिलेश तिवारी ने भी नागरिकों और समुदायों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियों पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने शेरॉन वर्मा और समय रैना के बीच हुई बातचीत को अपमानजनक टिप्पणी बताते हुए कहा कि इस तरह के कमेंट्स को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि जब मजाक के दौरान किसी समुदाय या क्षेत्र का ज़िक्र किया जाता है तो कॉमेडियन को सावधान रहना चाहिए।

समय रैना और शेरॉन वर्मा के बीच की बातचीत..

शो के हालिया एपिसोड को लेकर हुए विवाद की बात करें तो समय रैना और शेरॉन शर्मा के बीच हुई बातचीत को लेकर ये नया विवाद खड़ा हुआ है। शो के दौरान समय रैना मजाक-मजाक में शेरॉन शर्मा की पृष्ठभूमि को लेकर बात करते हुए कहते हैं- 'शेरॉन इतनी बिहारी है कि इसे 'इबोला' का मतलब लगता है कि किसी ने कुछ कहा, यानी बोला है।' समय रैना के कमेंट पर पलटवार करते हुए शेरॉन कहती हैं- 'समय इतना कश्मीरी है कि उसे 'स्टोन' (नशे में धुत रहना) पसंद है।' समय फिर कहते हैं- 'शेरॉन एक बिहारी हैं जो नौकरी की तलाश में मुंबई आई थीं, बिहारी अक्सर ऐसा करते हैं।' जवाब में शेरनॉन ने कहा- 'कम से कम मैंने अपना स्टेट अपनी मर्जी से छोड़ा है।'

कौन हैं शेरॉन वर्मा?

शेरॉन वर्मा की बात करें तो वह एक स्टेंडअप कॉमेडियन हैं, जिन्हें 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के पहले सीजन से लोकप्रियता मिली थी। इस सीजन में उन्होंने बतौर कंटेस्टेंट परफॉर्म किया था और उनका एक्ट काफी पसंद किया गया था। उनके 'वीक इंडिपेंडेंट वुमन' वाले एक्ट को खूब प्यार मिला। शेरॉन के बेबाक अंदाज और खासकर बिहार से जुड़ी उनकी जड़ों

और उनके अपने व्यक्तित्व के वीडियो क्लिप्स ने उन्हें ऑनलाइन काफी लोकप्रियता दिलाई। वहीं 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' की बात करें तो पिछले दिनों शो में 'मर्दों से नफरत' करने वालीं बिहार की साक्षी झा भी काफी विवादों में रहीं। अपने कमेंट से उन्होंने ऐसा बवाल मचाया कि सोशल मीडिया पर ट्रोल्स से घिर गईं, जिसके बाद समय रैना ने उनका बचाव करते हुए एक वीडियो शेयर किया था।

फेडरर 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल, भाषण के दौरान कई बार छलके आंसू

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर शनिवार को इंटरनेशनल टेनिस 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किए जाने के दौरान भावुक हो गए। बीस ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले फेडरर अपने करीब 30 मिनट के भाषण के दौरान कई बार रो पड़े।

पत्नी मिर्का का जिक्र करते हुए तो उनके आंसू थमने का नाम ही नहीं ले रहे थे। मिर्का के स्वागत-परिचय भाषण के बाद फेडरर को मंच पर बुलाया गया। उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि उन्हें इस समय रूमाल और धूप के चश्मे की जरूरत है, लेकिन आंसुओं को रोकना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। पैंतालिस वर्षीय फेडरर ने मंच पर आते ही कहा, 'यह बहुत ऊंचे स्तर का है और इसके बाद बोलना आसान नहीं होगा।' इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में पत्नी मिर्का से कहा, 'पता नहीं, आपने चुपके से इसकी तैयारी तो नहीं की थी?' फेडरर ने इस दौरान अपने बचपन के आदर्श स्टीफन एडबर्ग और लंबे समय तक उनके कोच रहे सेवेरिन लुथी को याद किया। 'स्विस मैस्ट्रो' के नाम से मशहूर फेडरर ने अपने शानदार करियर में आठ विंबलडन, छह ऑस्ट्रेलियन ओपन और एक फ्रेंच ओपन खिताब जीता। वह लगातार 237 सप्ताह तक एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी रहे। वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले केवल आठ पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2004 से 2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन खिताब जीते और 10 लगातार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे, जिनमें से आठ में उन्होंने जीत हासिल की। फेडरर 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल होने वाले 272वें सदस्य बने। उन्होंने कहा, 'टेनिस के इतिहास में खुद को इस स्थान पर देखना मेरे लिए बेहद खास है। इस खेल की समृद्ध विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' फेडरर के साथ पूर्व खिलाड़ी और प्रसारक मैरी कैरिलो को भी 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया। 'हॉल ऑफ फेम' में पहले से शामिल बिली जीन किंग ने उनका परिचय दिया। कैरिलो ने कहा, 'हॉल ऑफ फेम' के इन दिग्गजों के बीच खड़े होकर सम्मानित होना मेरे सपने से भी बढ़कर है।' बिली जीन किंग ने 69 वर्षीय कैरिलो की तारीफ करते हुए कहा, 'उन्होंने खेल पत्रकारिता में अपनी जगह बनाई है और न्यूपोर्ट में भी अपना स्थान अर्जित किया है।'

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस

मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

प्रियंका की लाडली मालती ने मनाया रक्षाबंधन, भाई नीर के लिए भेजी प्यारी सी राखी, मौसी परिणीति ने शेयर की झलक..

डेस्क जगप्रेरणा।

प्रियंका चोपड़ा यूं तो सालों पहले ही विदेश में बस गई हैं, लेकिन आज भी भारतीय संस्कृति और अपने मूल्यों से जुड़ी हुई हैं। प्रियंका विदेश में रहते हुए भी सारे भारतीय त्योहार जोर-शोर से सेलिब्रेट करती हैं।

प्रियंका ने हाल ही में बेटी मालती का एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह उन्हें दुर्गा सप्तशती का मंत्र सिखाती नजर आईं। दिवाली से लेकर होली तक, वह जोनास फैमिली के साथ मिलकर हर त्योहार मनाती हैं

और अब अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा को भी भारतीय जड़ों से रूबरू कराने को कोई मौका नहीं छोड़ रहीं। हर खास मौके पर प्रियंका, मालती को मंदिर लेकर जाती हैं और अब हाल ही में उन्होंने अपनी बेटी की तरफसे रक्षाबंधन पर परिणीति चोपड़ा के बेटे नीर के लिए राखी भेजी है, जिसकी झलक परिणीति चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर शेयर की है।

मालती ने नीर के लिए भेजी राखी..

परिणीति चोपड़ा और प्रियंका चोपड़ा कजिन सिस्टर्स हैं और दोनों के बीच काफी प्यार है। अब राखी के त्योहार में विदेश से प्रियंका ने बेटी मालती की ओर से परिणीति के बेटे नीर के लिए राखी भेजी है। परिणीति चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर मालती की भेजी राखी की झलक शेयर की है। परिणीति ने बेटे नीर के हाथ की तस्वीर शेयर की है, जिसमें नीर के हाथ में राखी बंधी देखी जा सकती है। फोटो शेयर करते हुए परिणीति ने कैप्शन में लिखा- 'मेरी पहली राखी के लिए थैंक यू मालती दीदी, बहुत सारा प्यार, नीर।' वहीं प्रियंका ने ये पोस्ट री-पोस्ट करते हुए लिखा- 'दीदी तुम्हें बहुत प्यार करती है बेबी नीर।'

नीर और मालती का पहला रक्षाबंधन..

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास ने जनवरी 2022 को अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा का इस दुनिया में स्वागत किया। मालती का जन्म कैलिफोर्निया के एक अस्पताल में सरोगेसी के जरिए हुआ था और प्रियंका ने खुद इसकी जानकारी शेयर की थी। वहीं परिणीति चोपड़ा ने अक्टूबर 2025 में अपने बेटे नीर का इस दुनिया में स्वागत किया। ऐसे में मालती और नीर का ये साथ में पहला रक्षाबंधन है, जिसे प्रियंका और परिणीति ने मीलों दूर रहते हुए भी यादगार बना दिया।

प्रियंका चोपड़ा का कमबैक..

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा करीब 8 सालों से किसी भारतीय फिल्म में नजर नहीं आई हैं, लेकिन अब वह कमबैक के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्रियंका, एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी, जिसमें महेश बाबू लीड रोल में हैं। ये फिल्म अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। प्रियंका फिल्म के बड़े हिस्सों की शूटिंग कम्प्लीट कर चुकी हैं। वहीं परिणीति की बात करें तो वह आखिरी बार दिलजीत दोसांझ के साथ 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आई थीं, जो 2024 में रिलीज हुई थी।

रजत दलाल का पार्किंग कलेश, 45 मिनट किया इंतजार, फिर सनका माथा, थार निकालने के लिए कार को मारी टक्कर...

डेस्क जगप्रेरणा।

'बिग बॉस 18' फेम यूट्यूबर रजत दलाल एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर रजत दलाल ने कुछ वीडियो शेयर किए हैं, जिसमें वह अपनी गाड़ी से एक कार को टक्कर मारते नजर आ रहे हैं।

रजत दलाल इस वीडियो के सामने आने के बाद ट्रोल्स के निशाने पर आ गए हैं। फरीदाबाद में पार्किंग एरिया में गाड़ियों की पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद रजत दलाल ने अपनी थार से टक्कर मारते हुए दूसरी कार को साइड किया और निकल गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो शेयर किया और बताया कि वह इस एरिया में जिम के लिए आते हैं और आए दिन उनकी गाड़ी को पार्किंग एरिया में ऐसे ही पैक कर दिया जाता है, जिसके चलते उन्हें कई बार लंबा इंतजार करना पड़ता है।

रजत दलाल का पार्किंग कलेश..

रजत दलाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई वीडियो शेयर किए हैं और कहा कि 'ये रोज का ड्रामा है'। उन्हों एक इंस्टाग्राम स्टोरी पर पार्किंग एरिया की तस्वीर शेयर की। तस्वीर में देखा जा सकता है कि रजत दलाल की थार के आगे और पीछे दो अन्य कार खड़ी हैं, जिससे उन्हें अपनी कार निकालने के लिए जगह नहीं मिलती। उन्होंने बताया कि अक्सर लोग उनकी गाड़ी के इर्द-गिर्द गाड़ी खड़ी करके चले जाते हैं,

जिसके चलते उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ता है। फोटो शेयर करते हुए यूट्यूबर ने कैप्शन में लिखा- 'रोज का ड्रामा है यार, इतनी बड़ी पार्किंग में इतनी गाड़ियों में मेरी ही गाड़ी मिलती है हमेशा।'

थार से कार को टक्कर मारकर किया साइड..

रजत दलाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक अन्य वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया कि वह करीब 45 मिनट से इन गाड़ियों के हटने का इंतजार कर रहे थे, लेकिन न तो मालिक आया और न ही कोई नंबर लग रहा था। जब लंबे इंतजार के बाद कोई नहीं आया तो उन्होंने अपनी गाड़ी से सामने वाली कार को टक्कर मारकर साइड किया और फिर वहां से निकल गए। उन्होंने बताया कि इन गाड़ियों के ऊपर कोई कॉन्टैक्ट नंबर भी नहीं डला था कि वह कॉल करके अपनी गाड़ी निकाल सकें और इसलिए उन्होंने ये कदम उठाया। रजत दलाल ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें साफतौर पर देखा जा सकता है कि उनकी गाड़ी चारों तरफ से ब्लॉक है, जिसके चलते वह अपनी गाड़ी नहीं निकाल पाते।

विवाद पर दी सफाई..

एक अन्य पोस्ट के जरिए रजत दलाल ने इस पूरे विवाद पर सफाई भी दी है। उन्होंने लिखा- 'ये कोई प्रमोशनल या स्क्रिप्टेड वीडियो नहीं है। ये हाल पार्किंग का यहां रोज होता है और वो एरियल शूट या ड्रोन शूट नहीं है, जिम थर्ड फ्लोर पर है। एक लिमिट होती है हर चीज की।' रजत दलाल पिछले दिनों एल्विश यादव के साथ अपने विवाद को लेकर भी चर्चा में थे। वहीं 'द 50' में प्रिंस नरूला और मिस्टर फैजू के साथ भी रजत दलाल की काफी नोकझोंक देखने को मिली थी।

नीरज चोपड़ा एशियन गेम्स से हुए बाहर, चोट की वजह से बचे हुए सीजन में नहीं लेंगे हिस्सा..

डेस्क जगप्रेरणा।

भारत के स्टार जैवलिन थ्रो खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने चोट की वजह से इस साल के बाकी बचे सभी मैचों से नाम वापस ले लिया है। वे अगले महीने होने वाले डायमंड लीग फाइनल्स और एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

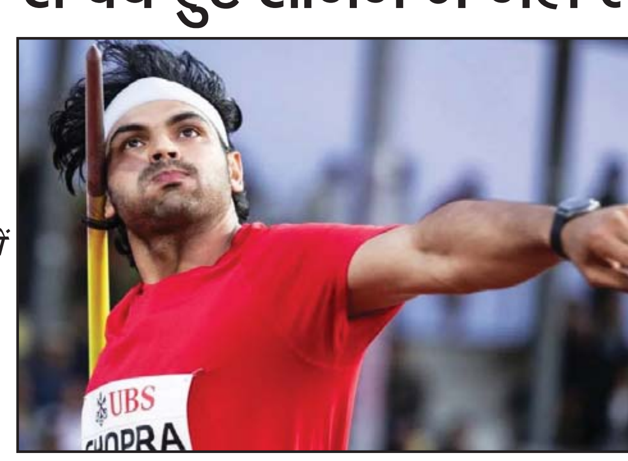

एशियन गेम्स में उनसे गोल्ड मेडल की बड़ी उम्मीद थी, इसलिए उनका बाहर होना भारतीय खेल प्रेमियों के लिए एक बड़ा झटका है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस खबर की जानकारी दी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में नीरज चोपड़ा ने क्या लिखा?

नीरज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर एशियन गेम्स से बाहर होने की बात कही है। चोपड़ा ने कन्फर्म किया कि चोट के कारण उन्हें और उनकी टीम को अपना सीजन यहीं खत्म करना पड़ा। उन्होंने लिखा कि दुर्भाग्य से इसके कुछ समय बाद ही ट्रेनिंग के दौरान मेरे टखने में लिगामेंट फट गया। अपने डॉक्टर और टीम से बातचीत के बाद, हमने तय किया है कि मैं इस सीजन के बाकी इवेंट्स में हिस्सा नहीं लूंगा।

डायमंड लीग फाइनल्स में जगह बना चुके थे नीरज..

नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को ही बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर डायमंड लीग फाइनल्स में अपनी जगह बनाई थी और उनके नाम के आगे क्वालिफाई होने का 'q' मार्क भी लग गया था। ज्यूरिख में हुए मैच में न खेलने के बावजूद वे फाइनल्स की रेस में आगे रहे। लेकिन फाइनल में जगह बनाने के अगले ही दिन उन्होंने बाकी बचे सभी टूर्नामेंट्स से हटने का फैसला किया। उनका ये फैसला फैंस के लिए चौंकाने वाला रहा।

डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा ने हासिल किए थे 12 पॉइंट्स..

इस साल नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग के दोहा और लुसाने मुकाबलों में खेलकर कुल 12 पॉइंट्स कमाए थे। स्विट्जरलैंड के लुसाने में हुए मैच में उन्होंने इस सीजन का अपना सबसे बेहतरीन 88.05 मीटर का थ्रो फेंका, फिर भी वे महज 9 सेंटीमीटर के अंतर से पहले नंबर पर आने से चूक गए और दूसरे स्थान पर रहे। इससे पहले 2026 में उन्होंने दोहा डायमंड लीग (चौथा स्थान) और कॉमनवेल्थ गेम्स (दूसरा स्थान) में भाग लिया था। दोनों टूर्नामेंट में वे 86 मीटर की दूरी भी तय नहीं कर पाए थे।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

साहित्य अभिव्यक्ति

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

नेपाल त्रासदी : क्या केवल प्राकृतिक आपदा समझना उचित होगा?

नेपाल में हाल ही में घटी भयावह त्रासदी ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इसने एक बार फिर हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता और मानव विकास की दिशा पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। बाढ़, भूस्खलन, हिमनदों (ग्लेशियर) के टूटने और अचानक आने वाले मलबे के सैलाब जैसी घटनाओं को 'प्राकृतिक आपदा' कहकर आगे बढ़ जाना आसान हो सकता है। लेकिन क्या इस त्रासदी से हुई जन-धन की अपार हानि को केवल प्राकृतिक आपदा मानना उचित है? शायद नहीं।

यह घटना प्रकृति के बदलते स्वरूप को पहचानने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय असंतुलन और हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप के सम्मिलित प्रभावों की नए सिरे से विवेचना करने का अवसर देती है। हिमालय क्षेत्र भूगर्भीय रूप से अत्यधिक सक्रिय पर्वत प्रणालियों में से एक है। इसकी भौगोलिक संरचना स्वाभाविक रूप से इसे भूस्खलन, भूकंप, बाढ़ और हिमस्खलन जैसी घटनाओं के प्रति संवेदनशील बनाती है। इसके बावजूद सदियों से स्थानीय समुदाय प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीवन जीते आए हैं। समस्या तब अधिक गंभीर हो जाती है, जब प्राकृतिक संवेदनशीलता को दरकिनार कर अप्राकृतिक मानवीय गतिविधियों और अवसंरचनात्मक दबाव को प्राथमिकता दी जाने लगती है।नेपाल की घटना को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। हिमनदों और हिमनदीय झीलों में हो रहे परिवर्तन, वैश्विक तापमान में वृद्धि, अत्यधिक मूसलाधार वर्षा और पहाड़ी ढलानों पर बिना योजना के बसती आबादी या अनियंत्रित पर्यटन जोखिम को कई गुना बढ़ा रहे हैं। किसी एक घटना को केवल जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करना वैज्ञानिक रूप से सही न हो, लेकिन बदलती जलवायु और हिमालयी पर्यावरण में आ रहे बदलावों को नजरअंदाज करना भी उतना ही अनुचित होगा।

इस त्रासदी का सबसे चिंताजनक पहलू सूचना क्रांति के युग में भी ऐसी घटनाओं का बड़े पैमाने पर अप्रत्याशित रूप से जन- धन नुकसान पहुंचाना है। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि सामान्य बाढ़ की तुलना में ग्लेशियर फटने या हिमनदीय झील के टूटने से उत्पन्न मलबे का प्रवाह अत्यंत तीव्र और विनाशकारी होता है। पानी के साथ बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह नीचे की ओर बढ़ता है तथा रास्ते में आने वाली बस्तियों, सड़कों और पुलों को ध्वस्त कर देता है। ऐसे में मात्र कुछ मिनटों या घंटों की अग्रिम पूर्व चेतावनी भी हजारों जान-माल की रक्षा कर सकती है।

प्रश्न केवल यह नहीं है कि ऐसी विनाशकारी प्राकृतिक घटना कैसे घटी, बल्कि प्रश्न यह भी है कि हमने संवेदनशील स्थानों पर अनियोजित निर्माण की अनुमति क्यों और कैसे दी?,समय रहते सूचना क्यों नहीं प्राप्त की जा सकी?इस तथ्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि

पर्वतीय क्षेत्रों में सड़कों, अस्पतालों, विद्यालयों, संचार व्यवस्था और बिजली का विकास आवश्यक है। लेकिन यदि यह विकास हिमालय की पारिस्थितिक वहन क्षमता को ध्यान में रखे बिना किया जाए, तो वही विकास आपदा का कारण बन जाता है। नदी के प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्रों में अतिक्रमण, अस्थिर ढलानों पर अवैज्ञानिक सड़क निर्माण, बहुमंजिला होटलों एवं भवनों का निर्माण और बिना पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के बड़ी परियोजनाएं किसी भी प्राकृतिक घटना को मानवीय त्रासदी में बदल देती हैं। इसलिए प्राकृतिक आपदा और मानवजनित आपदा के अंतर को समझना आवश्यक है। भूस्खलन एक प्राकृतिक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन यदि अनियोजित निर्माण के कारण लोग वहां जोखिम में आते हैं, तो उसके विनाशकारी प्रभाव में मानवीय निर्णयों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

यह घटना भारत के लिए भी एक गंभीर चेतावनी है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश तथा लद्दाख और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्य भी इसी हिमालयी पारिस्थितिकी का हिस्सा हैं। केदारनाथ और चमोली जैसी त्रासदियों ने पहले ही यह साबित कर दिया है कि अत्यधिक वर्षा और मानवीय हस्तक्षेप का संयोजन कितना विनाशकारी हो सकता है। अतः नेपाल के प्रति केवल संवेदना व्यक्त करना या राहत सामग्री भेजना पर्याप्त नहीं होगा; हमें इस घटना से सीख लेकर अपने देश में भी बहुत कुछ करना होगा।

आज आधुनिक विज्ञान, उपग्रह निगरानी, रिमोट सेंसिंग, ड्रोन, मौसम पूर्वानुमान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण के माध्यम से संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी संभव है। इसके साथ ही, भारत और नेपाल के बीच सीमा-पार आपदा सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान समय की मांग है, क्योंकि नदियां और ग्लेशियर राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानते।

हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को मैदानों की तर्ज पर विकसित करने का जोखिम नहीं लिया जा सकता। पहाड़ों में विकास का अर्थ अनियंत्रित निर्माण नहीं, बल्कि न्यूनतम पर्यावरणीय क्षति के साथ अधिकतम मानवीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

आपदा प्रबंधन केवल राहत सामग्री बांटने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह जोखिम की पूर्व पहचान, निर्माण पर नियंत्रण, स्थानीय समुदायों के प्रशिक्षण और वैज्ञानिक नियोजन से शुरू होता है। सरकारें प्रकृति को दोष देकर अपनी प्रशासनिक जवाबदेही से नहीं बच सकती। मनुष्य को प्रकृति पर विजय पाने का अहंकार छोड़कर उसके संकेतों को समझने और उसके अनुरूप विकास की नीति तय करने में ही बुद्धिमत्ता है।

लेखक

प्रो.मनमोहन प्रकाश

'आशुतोष शिव'

सृष्टि का,
मधुरिम विकास।
स्नेहिल भावनाओं से कर,
शौर्य एवं माधुर्य के,
अतिविशिष्ट सम्मिलन द्वारा,
अर्धनारीश्वर रूप धारण कर,
नारी-पुरुष समन्वयी सामर्थ्य के ,
सम्प्रेषण द्वारा।
अखिल विश्व को ऊर्जस्वित कर,
परहितार्थ स्वयं गरल पान कर,
अखिल ब्रह्मांड को जो,
उदधिमंथन से प्राप्त,
पीयूष का अनुपान कराये।
मन को
अन्तर्मंथन की ओर ,
गतिमान करके
मधुरिम बनाये।
उसी दैदीप्यमान ,
शक्तिवल्लभा
देवत्व का नाम।
जिससे होता
जग का कल्याण,
आशुतोष शिव है।

लेखिका

श्रीमती सुनीता मेश्राम 'गंगेश्वरी'
नैनपुर.

'स्तुति-गान'

मेरे मन में वास तुम्हारा।
पर मैं क्यों इससे अंजान।
हे जगदीश्वर! दूर करो तुम।
मेरे मन का सब अज्ञान।
सभी कार्य होते हैं मेरे।
तेरे अनुग्रह से ही नाथ।
जब भी चलूँ आस्था रखकर।
प्रभु तुम रहते मेरे साथ।
मेरे तन में मलयानिल-सी।
सुरभि का है सतत प्रसार।
जब भी मनन तुम्हारा होता।
होते प्रभु तुम ही साकार
भाव-विचार जो भी हैं प्रभु।
यह सब है तेरा ही दान
दो मुझे सान्निध्य तुम्हारा।
यही चाह रखता भगवान।
यात्रा प्रभु चल रही निरंतर।
लगे न इसमें
कभी विराम।
सहज-सरल
अभिव्यक्त प्रेम से।
बनता मन
वृन्दावन धाम।
इच्छा प्रभु गाऊं सदा मैं।
तुम्हारा ही स्तुति -गान।
'यमुनेश्वरी' ने
गुंजित की है।
भक्ति-स्वरों
की मधुरिम तान।

रचनाकार

वल्लभ यमुनेश्वरी
नैनपुर

शब्दवर्गपहेली क्र.- 258

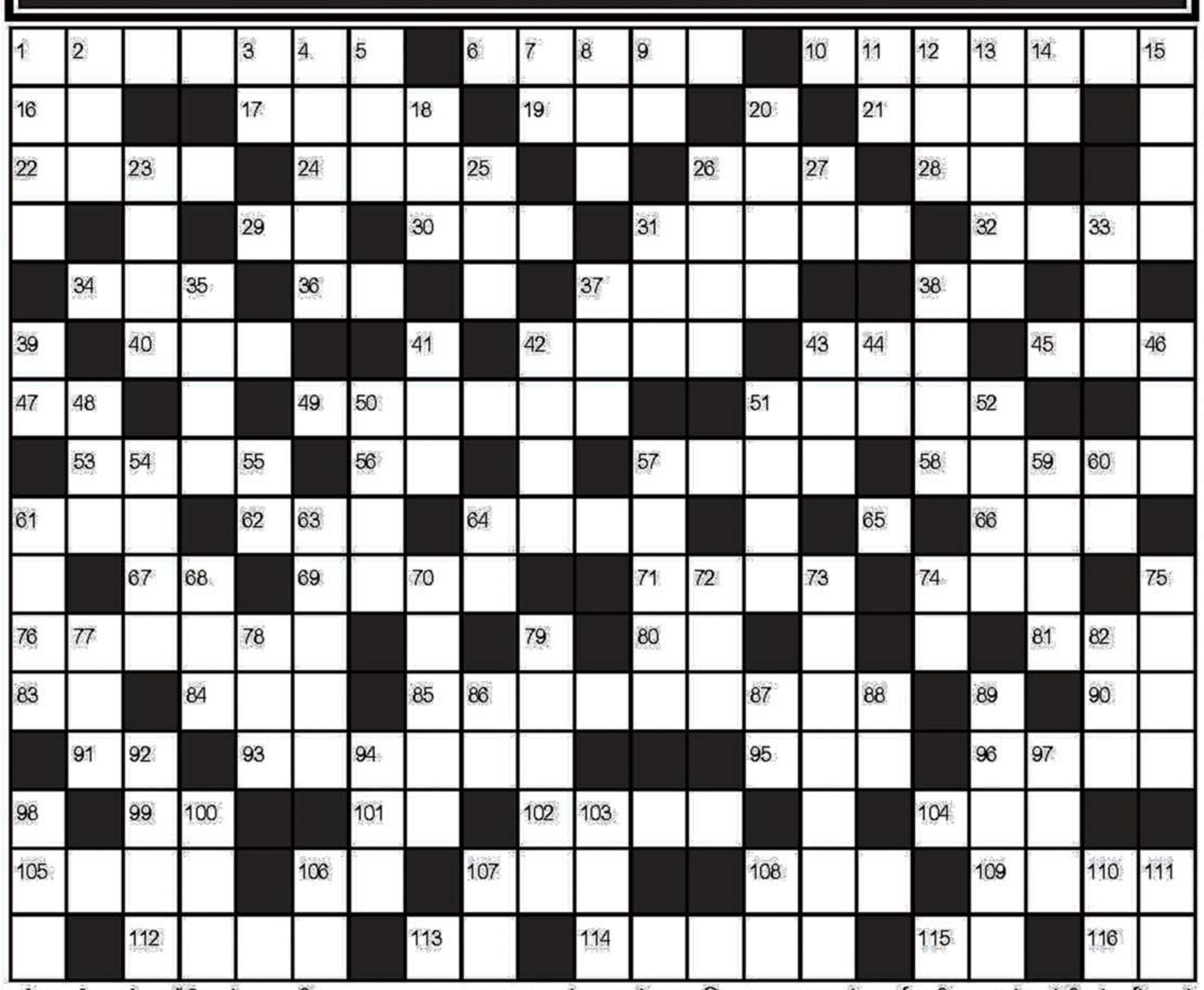

ck;s ls nk;s !& 1) उत्तरी भारत का एक राज्य 6) मुगल सल्तनत का एक बादशाह 10) हिन्दी फिल्म जगत का महानायक 16) परिमाण, प्रतिष्ठा 17) त्रेपन 19) अनोखा काम 21) जोर से चिल्लाना 22) लादने का काम दूसरे से करवाना 24) एक प्रसिद्ध भारतीय नृत्य 26) अमिताभ की फिल्म 'शराबी' में इस हास्य कलाकार की बड़ी बड़ी मुंछे थी 28) कर्ण 29) पांव, पग 30) आग की ज्वाला 31) होशियार 32) अनाथ, बिना उत्तराधिकारवाला 34) अनुमान, ढंग, मोहक अदा 36) स्त्री 37) खाना बनानेवाला 38) फंदा 40) पैर के नीचे का भाग 42) पूजा, उपासना 43) धनुष या धनुषाकार आकृति 45) धोबी 47) भालू 49) लाक्षणिक दृष्टि से धूर्त या कपटी 51) हमला करनेवाला, आक्रमणकारी 53) लिखने का ढंग 56) निषेध, मनाही 57) पहरेदार 58) एक बंगाली मिठाई 61) कथन 62) चोचला, नाज 64) ननद का पति 65) साहित्य में रसों की संख्या 66) रद्द किया हुआ 67) पर्ण, पीना 69) लुंगी (उर्दू) 71) समान स्तर का, सपाट 74) पुत्र 76) ऋषि कपूर और जूही चावला की एक पुरानी पारिवारीक फिल्म 80) चालू, प्रचलित 81) लगाव, ब्याह या उस का शुभ मुहूरत 83) देह, शरीर 84) किसी शब्द या वाक्यांश को बार बार याद करना 85) ध्यान न देना इस अर्थ का एक मुहावरा 90) हनुमानजी का शस्त्र 91) व्यंगपूर्ण बात कहना 93) मिन्नते करना इस अर्थ का एक मुहावरा 95) कच्ची चीज को आग से परिपक्व करना 96) गणेशजी का एक नाम 99) हरियाणा की एक प्रमुख जाति 101) आक्रमण 102) हमेशा 104) बेहोश होने का या दौरा आने का एक रोग 105) श्रीफल 106) ले आना 107) जल में उत्पन्न 108) पक्का विश्वास, भरोसा 109) दुर्घटना 112) जनता का आदेश 113) सत्य 114) वफादार 115) ऊंचाई पर उड़नेवाला एक पक्षी 116) रामायण में लव – कुश के पिता

Åij ls uhps !& 1) अपने देश का सबसे बड़ी पर्वतश्रेणी 2) बड़ाई करनेवाला, विष्णु 3) एक उपसर्ग जो शब्दों के आरंभ में अर्थों का बोध करने के लिये जोड़ा जाता है 4) विलंब करना 5) सौगंध 7) कलर, वर्ण 8) स्त्रियों द्वारा बालों में लगाई जानेवाली फुलों की माला 9) पाकिट 11) भारत का एक प्रसिद्ध वायुयान 12) नक्षत्र 13) हरियाणा के एक भूतपूर्व मुख्यमंत्री 14) तैयार हुआ 15) अभिनेता संजय दत्त की मां 18) अनुकरण 20) नकल करनेवाला 23) दुर्घटना 25) पोतना 26) कहीं बात से हटना या अस्वीकार करना 27) कागज के बीस दस्ते 31) अयोध्या 33) प्रथा, रस्म 35) महाराष्ट्र का एक जिला मुख्यालय 37) वर यात्रा 38) पशु 39) कठिन, अधिक भार का 41) शयन कराना 42) प्रस्थान का विरुद्धार्थी शब्द 43) विष्णु पत्नी 44) फुलों का हार 46) हथेली के बाद भाग जहां घड़ी पहनी जाती है 48) छल करनेवाला, राज कपूर, नूतन की एक फिल्म 50) पथ से भटका हुआ 51) वह स्थान जहां निर्णय होने तक गिरफ्तार व्यक्तियों को रखा जाता है 52) हिन्दी के एक मुस्लिम कृष्णभक्त कवि 54) खाने पीने का ढंग, खाना पीना 55) एक तौल 57) रईस पुत्र, धनवान का पुत्र 59) अत्यंत दुर्बल व्यक्ति 60) शरम, लज्जा 61) बारिश 63) जोखिमभरा 64) झुका हुआ 68) अस्वीकार 70) जनसंख्या के दृष्टि से बड़े नगर 72) रोगी 73) पुरानी बातों का अनुसरण करनेवाला इस अर्थ की एक कहावत 74) किसी पदार्थ का नीचे का भाग 75) कुटूंब, घराना 77) प्रजा, राज्य के लोग 78) कम होना 79) नृसिंह 82) आकाश, आसमान 86) वृक्ष की मुली 87) चाय का प्याला 88) मां के पिता 89) वैश्यों का एक कुल नाम 92) अयोग्य, जो जायज नहीं ऐसा 94) प्रस्थान 97) राजाद्वारा किसी को पुरस्कार के रुप में दी गयी जमीन, जायदाद 98) स्वर्णकार 100) कुछ समय के लिये हटना, समय बढ़ना 103) जाड़े में सोते समय ओढ़ा जानेवाला रुई भरा मोटा कपड़ा 106) शव 107) अधम 108) जब (संस्कृत) 110) भार्या, पत्नी 111) अंधेरा (जवाब अगले अंक में) ●

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

त	स	बी	र	■	ढ	■	आं	ख	के	अं	धे	ना	म	न	य	न	सु	ख	■	आ
म	ग	र	म	च्छ	के	आं	सू	■	दा	ग	■	ग	र	म	■	न	त	■	मा	न
त	र	■	जा	■	ल	त	■	द्वा	र	■	म	■	ना	■	ह	द	■	मो	ह	न
मा	■	अ	न	म	ना	■	स	प	ना	■	ख	र	■	अ	ज	■	खौ	र	■	फा
ना	वि	न्य	■	र्द	■	द	श	र	थ	■	म	■	आ	ल	म	आ	रा	■	दी	न
■	■	त्र	स्त	■	प्र	ह	री	■	■	ज	ल	त	रं	ग	■	जी	त	ना	■	न
रा	खी	■	■	सु	धा	क	र	बों	का	डे	■	न	भ	■	ना	व	■	लं	का	■
म	■	अ	व	मा	न	ना	■	ह	र	जा	ना	■	क	म	सि	न	■	दा	■	क
दा	न	व	■	त्रा	■	■	पा	नी	■	■	य	■	र	■	का	■	अ	■	ध	र्म
स	रा	स	र	■	को	म	ल	■	कु	तु	ब	मी	ना	र	■	र	ह	मा	न	■
■	ध	र	म	■	■	न	म	क	■	का	त	र	■	■	अ	ह	म	दा	बा	द
क	म	■	ता	न	सें	न	■	ह	म	रा	ह	■	ज	ल	ना	■	क	■	द	र
ल	■	मी	रा	■	व	■	प्या	र	■	म	सी	हा	■	ता	प	ना	■	गौ	■	कि
क	टु	■	म	ह	क	ना	■	■	ह	■	ल	ल	ना	■	श	■	श	र	मा	ना
त्ता	■	चु	■	सी	■	दा	■	प	र	दा	दा	■	च	क	ना	चू	र	■	सू	र
■	अ	प	मा	न	ज	न	क	■	ना	म	र	ख	ना	■	प	र	म	धा	म	■

anumeya-08446302691

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत मजबूती से डटा रहा, किसानों और परिवारों को सुरक्षित रखा: सीतारमण

वाशिंगटन, (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि भारत ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशों में हो रहे घटनाक्रम पर लगातार नजर रखते हुए और देश की अपनी जरूरतों को ध्यान में रखकर मजबूती से स्थिति का सामना किया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिकागो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, ''इसके परिणामस्वरूप भारतीय किसानों, भारतीय परिवारों और भारत की रसद व्यवस्था को नुकसान नहीं उठाना पड़ा।''

उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कई देशों की आर्थिक गणनाएं गड़बड़ा गईं, लेकिन भारत ने अपनी सीमाओं के बावजूद चुनौतीपूर्ण माहौल में अपने नागरिकों की रक्षा करने में सफलता हासिल की।

सीतारमण ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद से भारत ने सात प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि बनाए रखी है और इस साल भी वृद्धि इसी दायरे में रहने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि यह वृद्धि कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, शुल्क संबंधी अनिश्चितताओं और ईरान-अमेरिका संघर्ष के बीच हासिल हुई है।

वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक घटनाक्रम पर नजर रखने के साथ-साथ घरेलू जरूरतों को समझने की भारत की क्षमता ने देश को अनिश्चित माहौल में मजबूती से आगे बढ़ने में मदद की।

राजकोषीय अनुशासन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''हमने एक लक्ष्य तय किया है कि 2030 तक कर्ज को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 50 प्रतिशत के स्तर तक लाना है। इसलिए मैं उसी दिशा में काम करूंगी।''

उन्होंने कहा कि कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं का कर्ज अभी भी उनके जीडीपी के 200 प्रतिशत से अधिक है। भारत ने राजकोषीय घाटे को लेकर भी अनुशासन का रास्ता अपनाया है और उसने तय लक्ष्य की दिशा में प्रगति की है। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान और देश के प्रधानमंत्री के रूप में उनके राजकोषीय अनुशासन को दुनिया ने देखा है।

क्रेडिट रेटिंग के बारे में उन्होंने कहा कि इसमें सुधार हो रहा है। यह सुधार सामाजिक कल्याण के लिए जरूरी संसाधनों में कटौती करके नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रबंधन से हो रहा

है।सीतारमण ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि अब इसके लिए करीब 20 वर्ष ही बचे हैं।

उन्होंने कहा कि जिस गति और स्तर पर सुधार हो रहे हैं, उसके लिए अधिक समर्थन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे प्रतिभाशाली और अनुभवी लोगों से अधिक सहयोग चाहिए, जो आगे की दिशा के लिए सुझाव दे सकें।

वित्त मंत्री ने कहा कि इसके अलावा देश की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूंजी के रूप में समर्थन भी बेहद जरूरी है।

इंडियन बैंक चालू वित्त वर्ष में 100 शाखाएं, 2,500 कर्मचारियों की भर्ती करेगा..

इंडियन बैंक Indian Bank
आपका अपना बैंक ● YOUR OWN BANK

चेन्नई, (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक चालू वित्त वर्ष में करीब 100 नई शाखाएं खोलने की योजना बना रहा है। बैंक का मुख्य ध्यान देश के मध्य और पश्चिमी हिस्सों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर है।

इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बिनोद कुमार ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि बढ़ते कारोबार को संभालने और सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की जगह भरने के लिए बैंक करीब 2,500 कर्मचारियों की भर्ती करेगा। इनमें विशेषज्ञ अधिकारी भी शामिल होंगे।

कुमार ने कहा, ''पिछले साल हमने 100 शाखाएं खोली थीं। इस साल भी हमारी ऐसी ही योजना है। 15 अगस्त को स्थापना दिवस के अवसर पर ही बैंक ने देशभर में 15 शाखाओं का उद्घाटन किया।''

इंडियन बैंक की 30 जून, 2026 तक देश में 6,003 शाखाएं थीं। विदेश में सिंगापुर, कोलंबो और जाफना में तीन शाखाएं तथा गांधीनगर में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) बैंकिंग इकाई थी।

इलाहाबाद बैंक के 2020 में इंडियन बैंक में विलय के बाद बैंक ने पूर्वी क्षेत्र और उत्तर प्रदेश में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। कुमार ने कहा, ''अब हम देश के मध्य और पश्चिमी हिस्सों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।'' भर्ती के बारे में उन्होंने कहा कि बैंक चालू वित्त वर्ष में अपने कर्मचारियों की संख्या में करीब 2,500 की बढ़ोतरी करेगा। 30 जून, 2026 को बैंक में कुल 41,875 कर्मचारी थे।

परिसंपत्ति की गुणवत्ता के प्रबंधन के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि बैंक इसे काफी अच्छी तरह संभाल रहा है। बैंक का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के अंत तक सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) को कुल कर्ज के 1.5-1.6 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए को 0.15-0.2 प्रतिशत तक लाने का है।

उन्होंने कहा कि बैंक चालू वित्त वर्ष में 200 करोड़ रुपये के फंसे कर्ज को परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी (एआरसी) को बेचने की भी योजना बना रहा है। कुमार ने कहा कि बैंक को मजबूत मांग के सहारे चालू वित्त वर्ष में स्वर्ण ऋण का कारोबार 1.5 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, ''स्वर्ण ऋण बैंकों के लिए सुरक्षित ऋण है। यह उपभोग के लिए लिया जाने वाला कर्ज नहीं है, बल्कि ज्यादातर आय पैदा करने वाली गतिविधियों के लिए लिया जाता है और छोटे कारोबार को बढ़ने में भी मदद करता है।'' कुमार ने कहा कि पिछले साल सोने की कीमतों में तेजी के कारण इस क्षेत्र में 30 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। इस साल वृद्धि की रफ्तार कुछ धीमी रहेगी। उन्होंने कहा कि इस वृद्धि का आधार सोने की मात्रा होगी और स्वर्ण ऋण खंड के करीब 20 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है।

परिवार से जुड़ी संस्थाओं के 61.78 प्रतिशत वोट से चंद्रा की दिवाला योजना मंजूर: असहमत कर्जदाता..

नई दिल्ली, (भाषा)।

असहमति जताने वाले कर्जदाताओं ने आरोप लगाया है कि मीडिया कारोबारी सुभाष चंद्रा के परिवार से जुड़ी पांच संस्थाओं के पास कर्जदाताओं की समिति में 61.78 प्रतिशत मतदान अधिकार थे और इन संस्थाओं ने उनकी व्यक्तिगत दिवाला समाधान योजना को मंजूरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

चंद्रा की योजना में करीब 22,006.57 करोड़ रुपये के स्वीकृत कर्ज दावों के मुकाबले केवल 6.5 करोड़ रुपये का भुगतान करने का प्रस्ताव है।

कर्जदाताओं ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में दलील दी कि ये पांच संस्थाएं चंद्रा की सहयोगी या संबंधित पक्ष हैं और इसलिए उन्हें योजना पर मतदान करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी।

एनसीएलटी के 144 पन्नों के आदेश के अनुसार, इन पांच संस्थाओं के मतों को शामिल किए जाने के बाद समाधान योजना को कर्जदाताओं की समिति में 80.814 प्रतिशत मतों से मंजूरी मिली। ये संस्थाएं वीणा इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, डायरेक्ट मीडिया डिस्ट्रीब्यूशन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, वर्ल्ड क्रेस्ट एडवाइजर्स एलएलपी, लेमोनेड कैपिटल एडवाइजर्स एलएलपी और कॉर्पकॉल कैपिटल एडवाइजर्स एलएलपी हैं।

मामले की सुनवाई कर रही एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ के न्यायिक सदस्य अशोक कुमार भारद्वाज और तकनीकी सदस्य रीना सिन्हा पुरी की राय अलग-अलग थी। इसके बाद मामला तीसरे सदस्य निलेश शर्मा के पास भेजा गया, जिन्होंने समाधान योजना के पक्ष में फैसला दिया।

एचडीएफसी बैंक और आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज समेत असहमति जताने वाले कर्जदाताओं ने कहा कि इन पांच संस्थाओं को मतदान से बाहर रखा जाना चाहिए था। एचडीएफसी बैंक का कुल दावे में 3.2 प्रतिशत हिस्सा है।

बैंक ने कहा है कि वह एनसीएलटी के आदेश के खिलाफअपील करने पर विचार कर रहा है।

केनरा बैंक ने भी कहा है कि वह एनसीएलटी के आदेश के खिलाफराष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में अपील दाखिल कर रहा है।

केनरा बैंक ने एक बयान में कहा कि उसने 1.60 प्रतिशत मतदान हिस्सेदारी के साथ यूनियन बैंक ऑफइंडिया (0.76 प्रतिशत) और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (6.09 प्रतिशत) के साथ मिलकर सुभाष चंद्रा की 6.25 करोड़ रुपये की पुनर्भुगतान योजना का विरोध किया और उसके खिलाफ मतदान किया।

हालांकि, अन्य कर्जदाताओं ने 80.81 प्रतिशत मतदान हिस्सेदारी के बहुमत से पुनर्भुगतान योजना को मंजूरी दे दी।

केनरा बैंक ने मामले में फॉरेंसिक ऑडिट की मांग भी की थी, लेकिन उसकी अल्पमत मतदान हिस्सेदारी के कारण यह मांग स्वीकार नहीं की जा सकी।

तीसरे सदस्य निलेश शर्मा के समाधान योजना के पक्ष में फैसला देने के बाद, योजना के तहत चंद्रा की व्यक्तिगत दिवाला समाधान प्रक्रिया में कर्जदाताओं के करीब 22,006.57 करोड़ रुपये के स्वीकृत दावों के निपटारे के लिए केवल 6.5 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि दो सदस्यीय पीठ की तकनीकी सदस्य रीना सिन्हा पुरी ने योजना पर सहमति नहीं जताई थी। उन्होंने समाधान पेशेवर (आरपी) के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसने आईबीसी की धारा 106(4) और अन्य प्रावधानों का उल्लंघन किया।

उन्होंने पुनर्भुगतान योजना में गंभीर प्रक्रियागत अनियमितताओं की ओर भी ध्यान दिलाया और समाधान पेशेवर के आचरण पर चिंता जताई।

हालांकि, चंद्रा ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में कहा कि व्यक्तिगत दिवाला कार्यवाही में उनके खिलाफकुल दावा केवल 3,992 करोड़ रुपये का है। उन्होंने कहा कि इन मामलों में वह केवल व्यक्तिगत गारंटर थे, कर्जदार नहीं। उन्होंने 22,000 करोड़ रुपये के दावे को खारिज किया। तीसरे सदस्य द्वारा पारित आदेश में असहमति जताने वाले कर्जदाताओं की दलील भी दर्ज है। इसमें कहा गया है कि वीणा इन्वेस्टमेंट्स का नियंत्रण सुषिला देवी गोयल के पास बताया जाता है, जो सुभाष चंद्रा के भाई जवाहर गोयल की पत्नी हैं। वहीं, डायरेक्ट मीडिया डिस्ट्रीब्यूशन वेंचर्स और वर्ल्ड क्रेस्ट एडवाइजर्स इसकी अनुषंगी कंपनियां हैं।

इन संस्थाओं के सुभाष चंद्रा के खिलाफ दावे क्षतिपूर्ति पत्रों और गारंटी दस्तावेजों पर आधारित थे, जो कथित तौर पर चंद्रा ने उनके पक्ष में जारी किए थे। ये दस्तावेज इंडसइंड बैंक द्वारा समूह की एक अन्य कंपनी स्पिरिट टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड को दी गई ऋण सुविधाओं से जुड़े गिरवी रखे गए समूह के शेयरों से संबंधित थे।

इसके अलावा, एनसीएलटी के आदेश में कहा गया है कि लेमोनेड कैपिटल एडवाइजर्स एलएलपी और कॉर्पकॉल कैपिटल एडवाइजर्स एलएलपी के दावे कथित तौर पर व्यक्तिगत गारंटर सुभाष चंद्रा द्वारा दी गई गारंटी पर आधारित हैं। ये गारंटी समूह की एक अन्य कंपनी चूरू एंटरप्राइजेज एलएलपी द्वारा ली गई वित्तीय सुविधाओं के संबंध में दी गई थीं।

आदेश में यह भी दर्ज है कि इन संस्थाओं और व्यक्तिगत गारंटर सुभाष चंद्रा के बीच नजदीकी संबंध की पुष्टि इस तथ्य से होती है कि इन दोनों संस्थाओं के साझेदार उन कंपनियों के निदेशक भी हैं, जिन्हें वित्त वर्ष 2020-21 के लिए वीणा इन्वेस्टमेंट्स के एकीकृत वित्तीय विवरणों में 'अन्य संबंधित पक्ष' के रूप में बताया गया है।

एनसीएलटी के आदेश के अनुसार, असहमति जताने वाले कर्जदाताओं में से एक ने आरोप लगाया कि समाधान पेशेवर ने व्यक्तिगत गारंटर सुभाष चंद्रा से जुड़ी इन पांच संस्थाओं के दावों को गलत तरीके से स्वीकार किया। इन संस्थाओं के पास कर्जदाताओं की समिति में कुल करीब 61.78 प्रतिशत मतदान हिस्सेदारी थी और उन्होंने पुनर्भुगतान योजना को मंजूरी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दलील दी गई कि आईबीसी की धारा 79(2), 5(24ए) और 109(4)(बी) के तहत ये संस्थाएं सुभाष चंद्रा की 'सहयोगी' और 'संबंधित पक्ष' थीं। इसलिए उन्हें कर्जदाताओं की समिति में मतदान करने के लिए अयोग्य माना जाना चाहिए था।

असहमति जताने वाले कर्जदाताओं ने आगे दलील दी कि इन पांचों संस्थाओं के दावों से जुड़ी गारंटी अंतरिम रोक लागू होने के बाद ही भुनाई गई थीं। उनके अनुसार, इस वजह से गारंटी भुनाने की कार्रवाई कानूनी रूप से अमान्य हो जाती है।

उन्होंने यह भी कहा कि इन संस्थाओं ने कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय में दाखिल अपने वित्तीय विवरणों में सुभाष चंद्रा से मिलने वाली किसी देनदारी का उल्लेख नहीं किया था। कर्जदाताओं के अनुसार, ये बातें मिलीभगत से कृत्रिम रूप से कर्ज तैयार किए जाने की ओर इशारा करती हैं। हालांकि, एनसीएलटी के तीसरे सदस्य और न्यायिक सदस्य निलेश शर्मा ने इन दलीलों को खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि किसी संस्था को 'सहयोगी' तभी माना जा सकता है, जब कर्जदार के पास उस संस्था की 51 प्रतिशत या उससे अधिक शेयर पूंजी हो या वह सीधे उसके निदेशक मंडल को नियंत्रित करता हो।

एनसीएलटी ने अपने आदेश में कहा कि यह भी दलील दी गई कि समाधान पेशेवर ने योजना को मंजूरी के लिए रखने से पहले कुछ कर्जदाताओं के दावों और उनके मतदान अधिकारों की उचित तरीके से जांच नहीं की। इसी आधार पर याचिकाकर्ता ने पूरी मंजूरी प्रक्रिया पर दोबारा विचार करने की मांग की।

आरबीएल बैंक ने भी असहमति जताने वाले दोनों कर्जदाताओं की ओर से उठाए गए मुद्दों का काफी हद तक समर्थन किया। बैंक ने पुनर्भुगतान योजना की निष्पक्षता और व्यवहार्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह वास्तविक कर्जदाताओं के हितों के प्रतिकूल है।

इंडसइंड बैंक ने समाधान पेशेवर द्वारा मतदान हिस्सेदारी की गणना के तरीके पर आपत्ति जताई। बैंक ने पुनर्भुगतान योजना की व्यावसायिक व्यवहार्यता, निष्पक्षता और पर्याप्तता पर भी सवाल उठाए।

खास तौर पर बैंक ने योजना के तहत प्रस्तावित भुगतान और व्यक्तिगत गारंटर/कर्जदार की वित्तीय स्थिति तथा संपत्तियों के मूल्य के बीच कथित अंतर को लेकर चिंता जताई। मामला अब बहुमत की राय के अनुरूप औपचारिक आदेश पारित करने के लिए मूल दो सदस्यीय पीठ के पास वापस जाएगा। यह प्रक्रिया कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 419(5) के तहत जरूरी है।

सरकार के कदमों के बावजूद देशभर में चीनी की कीमतें ऊंची

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार की ओर से कीमतों में बढ़ोतरी रोकने के लिए उठाए गए कई कदमों के बावजूद रविवार को देश के अधिकांश खुदरा बाजारों में चीनी की कीमत 60 रुपये प्रति किलोग्राम से ऊपर बनी रही।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, रविवार को चीनी की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 64.24 रुपये प्रति किलोग्राम रही। यह एक सप्ताह पहले के 63.12 रुपये प्रति किलोग्राम के मुकाबले 1.77 प्रतिशत अधिक है। मौजूदा कीमत एक महीने पहले की तुलना में 30 प्रतिशत और पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 38.63 प्रतिशत अधिक है।

चीनी की 30 अगस्त को अधिकतम खुदरा कीमत 74 रुपये और न्यूनतम 40 रुपये प्रति किलोग्राम रही। शहरों के स्तर पर दिल्ली में चीनी 62 रुपये, मुंबई में 66 रुपये, चेन्नई में 63 रुपये और रांची में 68 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही थी।

थोक बाजार में भी चीनी की कीमत मजबूत बनी रही और यह 59.73 रुपये प्रति किलोग्राम रही। एक सप्ताह पहले यह कीमत 58.66 रुपये प्रति किलोग्राम थी। थोक कीमत एक महीने पहले की तुलना में 31 प्रतिशत और पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 38.63 प्रतिशत अधिक है।

खुदरा और थोक कीमतों में तेजी ऐसे समय में बनी हुई है, जब सरकार के 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने के फैसले के बाद मिल स्तर की कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आई है।

उद्योग सूत्रों के अनुसार, मिल स्तर और थोक कीमतों के बीच दो से तीन रुपये प्रति किलोग्राम तथा मिल स्तर और खुदरा कीमतों के बीच सात से आठ रुपये प्रति किलोग्राम का अंतर सामान्य माना जाता है।

सरकार ने आयात की अनुमति देने के अलावा थोक उपभोक्ताओं और डीलरों के लिए चीनी के भंडार की सीमा से जुड़े नियम भी कड़े किए हैं। इससे पहले सरकार ने चीनी के निर्यात पर भी रोक लगा दी थी।

भारत-अमेरिका व्यापार पर उद्योग, निर्यातकों के साथ एक सितंबर को वाणिज्य मंत्रालय की बैठक..

नई दिल्ली, (भाषा)।

वाणिज्य मंत्रालय भारत-अमेरिका व्यापार की स्थिति पर चर्चा के लिए एक सितंबर को उद्योग संगठनों और निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन करेंगे।

वह भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए देश के मुख्य वार्ताकार भी हैं। यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सितंबर के अंत में अमेरिका की यात्रा करेंगे। वह मिलवॉकी में जी-20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लेने के साथ अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। दो दिवसीय मंत्रिस्तरीय बैठक 30 सितंबर से शुरू होगी। वर्ष 2026 में जी-20 की अध्यक्षता अमेरिका के पास है।

अधिकारी ने कहा कि बैठक में हाल के व्यापार रुझानों, भारत-अमेरिका व्यापार के विभिन्न क्षेत्रों के प्रदर्शन और द्विपक्षीय व्यापार से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर चर्चा की जाएगी।

बैठक में दवा, इंजीनियरिंग, कपड़ा, कृषि, रसायन, समुद्री उत्पाद, चमड़ा, वाहन, वाहन कलपुर्जे, हस्तशिल्प और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है।

उद्योग संगठनों भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), फिक्की, एसोचैम और भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के भी बैठक में शामिल होने की संभावना है।

भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। दोनों देशों ने फरवरी में समझौते के पहले चरण के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी। हालांकि, अमेरिका की शुल्क व्यवस्था में बदलाव के कारण दोनों देशों के बीच समझौते को लेकर आगे की बातचीत जारी है।

टाटा मोटर्स की ईवी बुकिंग तीन गुना बढ़ी, उत्पादन बाधाओं ने वृद्धि को सीमित किया: अधिकारी

नई दिल्ली, (भाषा)।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में बाजार हिस्सेदारी बढ़ा रही है और पिछले छह माह में उसकी ईवी बुकिंग में तीन गुना वृद्धि हुई। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हालांकि सीमित उत्पादन क्षमता के कारण मजबूत मांग का पूरी तरह लाभ नहीं मिल पा रहा है। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) विवेक श्रीवास्तव ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, ''अगर आप पिछले दो-तीन महीनों को देखें, तो हम वास्तव में हर महीने बाजार हिस्सेदारी हासिल कर रहे हैं।

वास्तव में पिछले छह महीनों में हमारे और दूसरे नंबर के खिलाड़ी के बीच का अंतर बढ़ा है। मैं सार्वजनिक रूप से यह भी कहूंगा कि हमारी ईवी बुकिंग में तीन गुना वृद्धि हुई है, और हम केवल अपनी उत्पादन क्षमता से बंधे हैं।'' टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड समूह का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमारे उत्पादों पर उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ रहा है, और हमारे पास सबसे व्यापक उत्पाद श्रृंखला है, जो विभिन्न जरूरतों के लिए ईवी उपलब्ध कराती है।'' कंपनी को त्योहारी सत्र के भी मजबूत रहने की उम्मीद है। श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान गति के आधार पर सितंबर-दिसंबर तिमाही उद्योग के लिए अब तक की सबसे बड़ी तिमाही हो सकती है। उन्होंने कहा कि ईवी क्षेत्र तेजी से बढ़ा है, जिसमें सालाना आधार पर 77 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसका अर्थ है कि त्योहारी सत्र बेहद सकारात्मक रहने वाला है और इस दौरान उद्योग के लिए सबसे बड़ी तिमाही होने की पूरी संभावना है।

सुश्रृत वात क्लिनिक
डॉ. आकाश अनिल शेंडे
बी.ए.एम.एस. (नाशिक)
वात रोग तज्ञ
जनरल फिजिशियन
Regi L - 114791-A
कमर दर्द, सायटिका, आमवात, अस्थीवात, गठियावात, लकवा, नसों का दर्द (मोंदरा) एवं कमर गैप आदि वात रोगों का उपचार..
पता - भिलाई रोड, भारती लॉन के सामने, लांजी मो. 8637707202

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सेवा की मिशाल: बिरसा ब्लॉक के मरीजों के परिजनों को सुबह चाय-नाश्ता से लेकर भोजन की व्यवस्था कर रहे जोगी

जगप्रेरणा लांजी।

बीमारी की पीड़ा के बीच अस्पताल में भर्ती बैगा परिवारों के लिए किसी ने अपनेपन की ऐसी थाली परोसी है, जिसमें सिर्फ गरमा-गरम भोजन नहीं, बल्कि इंसानियत और संवेदना भी है।

भोजन के लिए भटकते इन परिवारों की परेशानी देख विधान जोगी ने बिना किसी स्वार्थ और प्रशंसा की चाह के अपने खर्च पर सेवा का बीड़ा उठाया, जो पिछले 9 दिनों से लगातार जारी है। सिविल अस्पताल लांजी में इन दिनों लांजी से लगे बिरसा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्रामों से बैगा समुदाय के मरीज उपचार के लिए भर्ती हैं। दूर-दराज के गांवों से इलाज कराने पहुंचे इन मरीजों के साथ उनके परिजन भी अस्पताल में रह रहे हैं। ऐसे में बीमारी और इलाज की चिंता के बीच उनके सामने भोजन की व्यवस्था करना भी एक बड़ी परेशानी बन गया था। मरीजों के परिजनों को भोजन के लिए इधर-उधर भटकते देख आशा सामाजिक सेवा संगठन के सदस्य विधान जोगी का मन विचलित हुआ। उन्होंने महसूस किया कि जब ये परिवार अपने मरीज के इलाज के लिए अस्पताल में हैं, तब कम से कम भोजन की चिंता उन्हें न करनी पड़े। इसी भावना से उन्होंने अपने निजी व्यय पर मरीजों और उनके परिजनों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था शुरू कर दी। एक ओर अस्पताल में बैगा समुदाय के मरीज अपने स्वास्थ्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके लिए परोसी जा रही भोजन की हर थाली यह एहसास करा रही है कि मुश्किल वक्त में वे अकेले नहीं हैं–समाज में कुछ ऐसे लोग भी हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के उनके साथ खड़े हैं।

सुबह की चाय-पोहा से रात के भोजन तक सेवा..

विधान जोगी द्वारा प्रतिदिन मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए भोजन की पूरी व्यवस्था की जा रही है। सुबह के समय चाय और पोहा दिया जा रहा है, जबकि दोपहर के भोजन में रोटी, सब्जी, दाल और चावल परोसे जा रहे हैं। रात में भी इसी तरह रोटी, सब्जी, दाल और चावल का गरमा-गरम भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। सबसे खास बात यह है कि इस पूरी व्यवस्था के लिए मरीजों अथवा उनके परिजनों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जा रहा है। अस्पताल में बीमारी से जूझ रहे मरीजों और उनकी देखभाल में जुटे परिजनों के लिए यह सेवा राहत का बड़ा सहारा बन गई है।

'प्रशंसा के लिए नहीं, मन की संवेदना से कर रहा हूं सेवा'..

विधान जोगी का कहना है कि इस कार्य के पीछे किसी प्रकार की प्रशंसा पाने या लोगों के दिलों में जगह बनाने की मंशा नहीं है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में जब उन्होंने बैगा समुदाय के मरीजों के परिजनों को भोजन के लिए परेशान होते देखा तो उनके मन में उनके लिए कुछ करने का विचार आया। उन्होंने कहा कि मुश्किल समय में किसी जरूरतमंद के साथ खड़ा होना ही सच्ची इंसानियत है। बैगा समुदाय के लोग दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से उपचार के लिए यहां आते हैं। ऐसे में उनके लिए भोजन की व्यवस्था करना उन्हें अपना परिवार समझकर सेवा करने जैसा है। यह सेवा पिछले 9 दिनों से अनवरत जारी है और विधान जोगी ने इसे मरीजों के स्वस्थ होकर घर लौटने तक जारी रखने की बात कही है। आशा सामाजिक सेवा संगठन की इस पहल ने यह संदेश भी दिया है कि समाज में संवेदना और सेवा की भावना आज भी जीवित है।

गरमा-गरम भोजन से चेहरों पर दिख रही राहत..

बीमारी और अस्पताल के माहौल के बीच जब मरीजों और उनके परिजनों को समय पर गरमा-गरम भोजन मिलता है तो उनके चेहरों पर राहत और संतोष साफनजर आता है। भोजन की चिंता से मुक्त होकर परिजन अपना पूरा ध्यान मरीज के उपचार और देखभाल पर लगा पा रहे हैं। बैगा परिवारों के लिए भोजन की यह व्यवस्था महज एक सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि उस अपनत्व का एहसास है, जिसकी जरूरत किसी भी व्यक्ति को सबसे अधिक तब होती है, जब वह परेशानी में होता है।

मेजर जनरल अनिल बाम ने दी बाल भाऊ देवरस छात्रावास को 5 हजार की सहयोग राशि

विद्यालय परिसर का निरक्षण कर स्मृतियों को किया याद..

जगप्रेरणा लांजी।

परम पूज्य बालासाहेब देवरस के परिवार के सदस्यों ने उनके पैतृक ग्राम कारंजा पहुंचकर दत्त मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन किया।

इसके पश्चात परिजनों ने विद्याभारती बाल-भाऊ देवरस आवासीय विद्यालय एवं न्यास परिसर का भ्रमण कर विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, छात्रावास व्यवस्था एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। इस दौरान बालासाहेब देवरस से जुड़ी पुरानी स्मृतियों को याद करते हुए परिजनों ने अपने संस्मरण साझा किए, जिससे माहौल भावुक हो गया।

परिवार के सदस्यों के कारंजा स्थित विद्याभारती बाल-भाऊ देवरस आवासीय विद्यालय के न्यास परिसर पहुंचने पर विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे एवं आचार्या अनीता बोपचे ने सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

स्मृति भवन में ताजा हुई पुरानी यादें..

अतिथियों ने सबसे पहले स्मृति भवन का अवलोकन किया। यहां प.पू. बालासाहेब देवरस के जीवन, कार्यों एवं उनसे जुड़ी स्मृतियों को देखकर परिजन भावुक हुए और उन्होंने उनसे संबंधित पुराने संस्मरणों को याद किया।

इसके बाद अतिथियों ने न्यास परिसर एवं विद्याभारती बाल-भाऊ देवरस आवासीय विद्यालय का भ्रमण किया। उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, छात्रावास व्यवस्था तथा प्रकल्प के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली।

विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों एवं व्यवस्थाओं पर अतिथियों ने संतोष व्यक्त करते हुए प्रकल्प के निरंतर विकास के लिए शुभकामनाएं दीं।

छात्रावास विकास के लिए 5 हजार रुपये का सहयोग..

इस अवसर पर मेजर जनरल अनिल बाम ने बाल-भाऊ देवरस छात्रावास के विकास एवं विद्यार्थियों की सुविधाओं के लिए 5,000 रुपये की नगद सहयोग राशि भेंट की। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए प्रकल्प के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में डॉ. ईला अनिल बाम, श्रीमती गौरी देशमुख, श्रीमती ऋद्धा सरदेसाई एवं सिद्धार्थ सरदेसाई सहित अन्य अतिथियों ने भी विद्यालय परिसर का अवलोकन किया। सभी ने प्रकल्प की गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए इसे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

परिजनों का आगमन विद्यालय परिवार के लिए रहा भावुक अवसर

बालासाहेब देवरस के पैतृक ग्राम में उनके परिजनों का आगमन विद्यालय परिवार के लिए विशेष और भावनात्मक अवसर रहा। स्मृति भवन में पुरानी यादों को साझा करने के साथ ही अतिथियों ने विद्यालय की वर्तमान प्रगति को भी नजदीक से देखा। परिजनों ने विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए प्रकल्प के निरंतर विस्तार एवं सफ्लता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बालासाहेब देवरस की स्मृतियों और उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की भावना भी प्रमुखता से दिखाई दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संविधान मेले में विस्तार से दी जानकारियां, प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन..

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी तहसील अंतर्गत पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन, बिसोनी में 28 एवं 29 अगस्त को दो दिवसीय संविधान मेले का आयोजन किया गया।

यह देश का 22वां संविधान मेला तथा लांजी क्षेत्र का दूसरा संविधान मेला था। मेले में विभिन्न प्रांतों एवं जिलों से आए लोगों ने सहभागिता की। भारतीय संविधान प्रचारिणी सभा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भीमरत्न पुरस्कार से सम्मानित अधिवक्ता धनीराम बंजारे के नेतृत्व में वर्ष 2015 से देश के विभिन्न प्रांतों, जिलों एवं कस्बों में संविधान मेलों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। इन मेलों का मुख्य उद्देश्य आमजन को भारतीय संविधान की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना है। संविधान मेले की विशेषता यह रही कि यहां सामान्य मेलों की तरह मिठाई, खिलौने अथवा अन्य मनोरंजन की दुकानें नहीं थीं, बल्कि संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों एवं संवैधानिक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी विभिन्न माध्यमों से प्रदान की गई। संविधान चित्र प्रदर्शनी, चलित संविधान पाठशाला सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से लोगों को संविधान के प्रति जागरूक किया गया।

मेले के दौरान संविधान विषय पर निबंध लेखन, तात्कालिक भाषण, गीत एवं संविधान प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ से मुख्य वक्ता एम.डी. वाल्दे एवं नीलाराम घृतलहरे, पांढुर्णा से विज्ञान जंगल एवं मानिक वानखेड़े, कटंगी से क्रांतिकारी वक्ता अधिवक्ता संजय खोबरागड़े तथा बालाघाट से विकास खांडेकर सहित अनेक अतिथियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम को सफल बनाने में भारतीय संविधान प्रचारिणी सभा भारत के सदस्य एवं मुख्य संयोजक पी.डी. भालाधरे, भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष पी.के. भीमटे, करुणागिरी समिति कलपाथरी के अध्यक्ष सी.एल. बोरकर, महासचिव ईश्वर बंसोड, रितेश बांसोड़, प्रज्ञा महिला मंडल लांजी तहसील अध्यक्ष शशि बौद्ध, प्रज्ञा महिला मंडल नगर शाखा लांजी अध्यक्ष धर्मशिला मेश्राम, एम.के. बौद्ध, समिता बोरकर, कमल मेश्राम, कैलाश वैध, नमिता मेश्राम, वंदना वैद्य, मनोहर चौरे, गजेंद्र नागदेव, निरंजना बसोड, गिरीश गोस्वामी, प्रेमलाल रामटेके एवं हिमांशु बंसोड सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

सफल अभ्यर्थियों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान..

संविधान मेले के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर शासकीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों तथा विभिन्न संकायों में कक्षा 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा लांजी द्वारा सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालों में मिलिंद/ज्ञानी एन. रामटेके का मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग में सहायक संचालक, आकांक्षा/अरुण भीमटे का रेलवे भर्ती बोर्ड, निविदा/लक्ष्मण बोरकर का भारतीय स्टेट बैंक में सहयोगी, कमलेश/ महेंद्र रामटेके का जिला शीघ्र हस्तक्षेप अधिकारी, रानी/ छोटेलाल मडामें का दिल्ली में कला शिक्षक, माया/ केशोराव बोरकर का माध्यमिक शिक्षक, राकेश/प्रभुदास रामटेके का प्राथमिक शिक्षक, प्रवीण/राजेंद्र चंद्रिकपुरे का सहायक ग्रेड-3, संदीप/नानाजी बोरकर का केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, आकाश/ टेकचंद खोबरागड़े का सीमा सुरक्षा बल तथा ऐश्वर्य/नीलकंठ गजभिए का नागपुर में एमबीबीएस प्रशिक्षण के लिए चयन होने पर सम्मान किया गया। इस प्रकार संविधान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और युवाओं को संवैधानिक मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित देश का 22वां संविधान मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जनविश्वास, प्राकृतिक खेती अभियान के चलते उपसंचालक ने किया ग्रामों का भ्रमण

जगप्रेरणा लांजी।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान एवं राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत उपसंचालक कृषि एवं परियोजना संचालक आत्मा फूलसिंह मालवीय ने 29 अगस्त शनिवार

को लांजी विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर किसानों के खेतों में धान की सीधी बुवाई पद्धति से लगाई गई फसल तथा जैव संसाधन केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से खेती की लागत, फसल की स्थिति और प्राकृतिक खेती से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी ली। ग्राम कालीमाटी में कृषक बसंत घोरमारे के खेत में धान की सीधी बुवाई पद्धति से लगाई गई धान की फसल का निरीक्षण किया गया। किसान ने बताया कि पारंपरिक रोपा पद्धति की तुलना में सीधी बुवाई से खेती की लागत कम हुई है तथा फसल की स्थिति भी अच्छी है। उपसंचालक मालवीय ने फसल का अवलोकन करते हुए प्राकृतिक कृषि आधारित नीमास्त्र एवं ब्रह्मास्त्र के छिड़काव की सलाह दी।

इसके बाद ग्राम भूरसाडोगरी में कृषक चेतन मेहरबान के खेत में धान की सीधी बुवाई पद्धति से धान के साथ ढैंचा की फसल का निरीक्षण किया गया। यहां भी फसल की स्थिति अच्छी पाई गई। अधिकारियों ने किसानों को कम लागत और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग वाली कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम कालीमाटी, मनेरी एवं करेजा में संचालित जैव संसाधन केंद्रों की गतिविधियों का भी जायजा लिया गया। कालीमाटी स्थित गणेश जैव संसाधन केंद्र में जीवामृत, घनजीवामृत, जैविक कीटनाशक, नीमास्त्र एवं ब्रह्मास्त्र सहित विभिन्न प्राकृतिक कृषि उत्पादों के निर्माण एवं विक्रय की जानकारी ली गई। ग्राम मनेरी में कृषक पन्नालाल चौधरी के घर संचालित जैव संसाधन केंद्र में जैव अपघटक यंत्र के माध्यम से तैयार किए जा रहे जीवामृत एवं जैविक कीटनाशकों की प्रक्रिया देखी गई।

वहीं ग्राम करेजा में कृषि सखी भुवनेश्वरी उमरे, उषा भटेरे एवं कृषक हेमेंद्र उमरे द्वारा संचालित जैव संसाधन केंद्र का निरीक्षण किया गया। केंद्र को अधिक विकसित करने तथा उत्पादन बढ़ाने के लिए नई तकनीकों पर चर्चा की गई। ग्राम फोपसा में प्रगतिशील कृषक देवराम चौरागडे के खेत का निरीक्षण भी किया गया। यहां अरहर की कतार में बुवाई तथा धान की सीधी बुवाई पद्धति से लगाई गई फसल का अवलोकन किया गया। कृषक देवराम चौरागडे को वर्ष 2025 में आत्मा विभाग के माध्यम से कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में जिले में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। निरीक्षण के दौरान उपसंचालक कृषि ने किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि लांजी क्षेत्र में किसान आधुनिक एवं प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर खेती की लागत कम करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। धान की सीधी बुवाई, जैविक आदानों का उपयोग और जैव संसाधन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर कृषि उपयोगी सामग्री का निर्माण टिकाऊ और कम लागत वाली खेती को बढ़ावा देने में उपयोगी साबित हो सकता है।

इस दौरान वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुलदीप गणवीर, विकासखंड तकनीकी प्रबंधक अजय बिजेवार, कृषि सखी रूपा कंकरायणे, उमेश्वरी बंसोड, लीला राहंगडाले एवं इंदु चौधरी सहित संबंधित कृषक एवं कृषि सखियां उपस्थित रहीं।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल,
ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां,
ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें,
बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
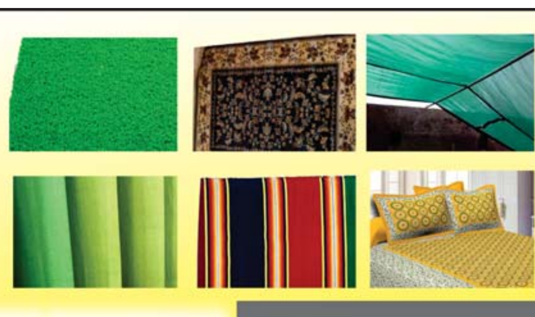
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

मराठा स्पोर्ट्स
9284744867
9112026507
7006748047
T-shirt
Lower
Short
Shoes etc.
All Sports Items Available
नारायण लॉन के सामने क्रिडा संकुलन मरारटोली, गोंदिया

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक
जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों
के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हेमंत नायक
मो. 88273 19933

जग प्रेरणा
live मंडला नैनपुर
● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

शराब के नशे में भाई बना भाई का कातिल..

मुर्गा बनाने को लेकर विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई के सिर पर फावड़े से किया वार, मौके पर मौत..

जगप्रेरणा मंडला/बिछिया।
बिछिया थाना क्षेत्र के ग्राम नेवसा में शनिवार को रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई। शराब के नशे में दो सगे भाइयों के बीच मुर्गा बनाने की बात को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी इतनी बढ़ी कि छोटे भाई ने बड़े भाई के सिर पर फावड़े से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से 45 वर्षीय बाजारी मरकाम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी छोटा भाई अनिल मरकाम (40) फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

मुर्गा बनाने की बात पर शुरू हुआ विवाद..

जानकारी के अनुसार, नेवसा गांव निवासी अनिल मरकाम और उसके बड़े भाई बाजारी मरकाम ने शराब पी रखी थी। इसी दौरान दोनों भाइयों के बीच मुर्गा बनाने को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद ने उग्र रूप ले लिया। आरोप है कि गुस्से में अनिल ने फावड़ा उठाकर अपने बड़े भाई बाजारी के सिर पर जोरदार वार कर दिया।

फावड़े की चोट इतनी गंभीर थी कि बाजारी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी वहां से फरार हो गया। वारदात की जानकारी सामने आते ही गांव में सनसनी फैल गई।

आरोपी की बेटी ने पुलिस को दी सूचना

घटना का खुलासा आरोपी अनिल की बेटी द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद हुआ। उसने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने ही उसके बड़े पिता बाजारी मरकाम पर हमला किया है। सूचना मिलते ही बिछिया पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण शुरू किया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। शव को बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मर्चुरी में रखवाया गया है। पुलिस घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है और घटना के कारणों की जांच कर रही है।

फरार आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस..

वारदात के बाद से आरोपी अनिल मरकाम फरार है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आखिर मामूली कहासुनी इतनी बड़ी वारदात में कैसे बदल गई।

शराब के नशे में शुरू हुआ विवाद एक परिवार के लिए जिंदगीभर का दर्द बन गया। मुर्गा बनाने को लेकर हुई कहासुनी में छोटे भाई पर बड़े भाई की हत्या का आरोप है। फिलहाल पुलिस की जांच और आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

4 सितंबर को गृह ग्राम टिकरवारा में मनाया जाएगा कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके का जन्मोत्सव..

जगप्रेरणा मंडला/नैनपुर।
मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री एवं मंडला विधायक श्रीमती संपतिया उइके का जन्मोत्सव 4 सितंबर को उनके गृह ग्राम टिकरवारा (जिला मंडला) में श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाएगा।

इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के अभिषेक एवं पूजन सहित विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

श्रीमती संपतिया उइके का राजनीतिक जीवन संघर्ष, सेवा और जनसमर्पण की एक प्रेरणादायी यात्रा माना जाता है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर उन्होंने अपनी मेहनत, कर्मठता और जनसेवा के बल पर राजनीति में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। बिना किसी राजनीतिक विरासत के उन्होंने समाज और जनता के बीच लगातार कार्य करते हुए जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी मजबूत छवि स्थापित की।

उनका जीवन गांव, खेत-खलिहानों और सामाजिक कार्यों से जुड़ा रहा है। शिशु मंदिर में सेवा कार्यों से लेकर पंचायत स्तर की राजनीति तक उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। उनके पति स्वर्गीय संजय उइके, जो राजस्व विभाग में पटवारी एवं बाद में नायब तहसीलदार रहे, ने उनकी नेतृत्व क्षमता को पहचानते हुए उन्हें सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

श्रीमती उइके ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत ग्राम पंचायत सरपंच के रूप में की। इसके बाद वे जिला पंचायत सदस्य चुनी गईं तथा तीन बार जिला पंचायत अध्यक्ष मंडला का दायित्व संभाला। उनकी कार्यशैली और जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें राज्यसभा सांसद बनने का अवसर मिला। बाद में वे मंडला विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुईं। पहली बार विधायक बनने के बाद ही उन्हें मध्यप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का प्रभार दिया गया।

प्रदेशभर में सक्रिय जनसंपर्क, लगातार क्षेत्रीय भ्रमण और आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता उनकी पहचान बन चुकी है। कार्यकर्ताओं और जनता के सुख-दुःख में सहभागी बनने की उनकी कार्यशैली ने उन्हें जनप्रिय नेता के रूप में स्थापित किया है। स्वास्थ्य, पेयजल और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर उनकी विशेष सक्रियता लगातार देखने को मिलती है।

4 सितंबर को आयोजित होने वाले जन्मोत्सव कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ समाज हित से जुड़े विभिन्न आयोजन भी किए जाएंगे।

श्रीमती संपतिया उइके को जन्मोत्सव की अग्रिम शुभकामनाएं एवं उनके स्वस्थ, सुखद और सफल जीवन की मंगलकामनाएं।

फेल्सीफेरम मलेरिया से युवक की मौत, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड़ पर

जगप्रेरणा मंडला।
जिले में फेल्सीफेरम मलेरिया का खतरा एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। खारी बबलिया माल क्षेत्र के साजपानी गांव निवासी 18 वर्षीय युवक की मलेरिया से मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। प्रशासन ने प्रभावित और हाई-रिस्क क्षेत्रों में सर्विलांस बढ़ाने के साथ कीटनाशक छिड़काव और स्वास्थ्य जांच अभियान तेज कर दिया है।

रक्षाबंधन पर उज्जैन से लौटा था युवक..

जानकारी के अनुसार साजपानी गांव निवासी राहुल यादव (18 वर्ष) रक्षाबंधन पर्व पर उज्जैन से अपने घर आया था। घर पहुंचने के बाद अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने उसे उपचार के लिए मंडला के कटरा अस्पताल में भर्ती कराया।

कटरा अस्पताल के निदेशक डॉ. शिलानंद टोप्पो ने बताया कि गुरुवार को राहुल को अत्यंत गंभीर एवं बेहोशी की अवस्था में अस्पताल लाया गया था। जांच के दौरान उसमें खतरनाक फेल्सीफेरम मलेरिया की पुष्टि हुई। चिकित्सकों ने तत्काल उसे आईसीयू में भर्ती कर उपचार शुरू किया, लेकिन हालत लगातार बिगड़ती गई और रात करीब 10 बजे उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

स्वास्थ्य विभाग ने शुरू किया विशेष अभियान

युवक की मौत की सूचना मिलते ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. डी.जे. मोहंती के निर्देश पर बीएमओ नारायणगंज तथा मलेरिया विभाग की विशेष टीम को साजपानी गांव भेजा गया। टीम द्वारा घर-घर पहुंचकर लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है तथा मलेरिया से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। शुक्रवार को गांव में बुखार से पीड़ित लोगों की जांच की गई। राहत की बात यह रही कि जांच के दौरान कोई नया मलेरिया संक्रमित मरीज नहीं मिला। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बरतते हुए क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है।

लोगों से सावधानी बरतने की अपील..

स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीणों से मच्छरदानी का उपयोग करने, घरों के आसपास पानी जमा न होने देने, बुखार आने पर तुरंत जांच कराने और चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि समय पर जांच और उपचार से मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है। मलेरिया से हुई इस मौत के बाद क्षेत्र में चिंता का माहौल है, वहीं स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

रक्षाबंधन के दिन बाइक की टक्कर से 14 वर्षीय छात्रा की मौत, इलाज के लिए मंडला ले जाते समय तोड़ा दम

जगप्रेरणा बिछिया।
रक्षाबंधन के दिन शुक्रवार को बिछिया थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में कक्षा 7वीं की 14 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक भी घायल हुआ है।

मृतिका की पहचान झुलुप कन्हारी (बिछिया) निवासी लक्ष्मी बाई ताराम के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार तिलई बम्हनी निवासी 'अजय यादव' रक्षाबंधन के अवसर पर बाइक से अपनी बहन के घर राखी बंधवाने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में नहाकर घर लौट रही लक्ष्मी को बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई।

हादसे में बाइक सवार अजय यादव को भी चोटें आईं। दुर्घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोगों की मदद से घायल लक्ष्मी को तत्काल बिछिया अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल मंडला रेफर कर दिया। परिजन उसे उपचार के लिए मंडला लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद लक्ष्मी को मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद जिला अस्पताल में पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने घटना की सूचना बिछिया थाना पुलिस को दे दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे को लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

रक्षाबंधन जैसे त्योहार के दिन हुए इस हादसे से परिवार में मातम छा गया। हादसे के बाद क्षेत्र में भी शोक का माहौल है।

बरसात में संक्रामक बीमारियों का बढ़ा खतरा, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी..

शुद्ध पानी और ताजा भोजन का करें सेवन, उल्टी-दस्त व बुखार होने पर तत्काल कराएं जांच..

जगप्रेरणा मंडला।
बारिश के मौसम में जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसे देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने जिलेवासियों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने नागरिकों को शुद्ध पेयजल, स्वच्छता और खान-पान का विशेष ध्यान रखने की

सलाह दी है। सीएमएचओ ने बताया कि बरसात के दौरान दस्त, उल्टी, पेचिश, पेटदर्द, डायरिया, पीलिया, टायफाइड, बुखार और मलेरिया जैसी बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने लोगों से ताजा भोजन करने तथा शुद्ध पेयजल का ही उपयोग करने की अपील की। पानी को उबालकर, छानकर अथवा फिल्टर और आरओ से शुद्ध करने के बाद ही पीने की सलाह दी गई है। कुएं, नदी, नाले, पोखर और झील के पानी का बिना शुद्धिकरण उपयोग नहीं करने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने बासी, सड़ी-गली सब्जियों एवं फलों तथा दूषित खाद्य पदार्थों से बचने की सलाह दी है। भोजन करने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ अच्छी तरह धोने तथा स्वच्छ शौचालय का उपयोग करने पर भी जोर दिया गया है।

उल्टी-दस्त होने पर शरीर में पानी की कमी न होने दें

स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि उल्टी-दस्त या डायरिया की स्थिति में शरीर में पानी की कमी न होने दें। इसके लिए ओआरएस का घोल और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेते रहें। किसी भी दवा का सेवन चिकित्सक की सलाह से ही करें। बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में उपचार कराएं। ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ता के माध्यम से भी आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं प्राप्त की जा सकती हैं।

मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से भी रहें सतर्क..

बारिश के मौसम में मच्छरों से होने वाली बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और फाइलेरिया से बचाव के लिए घर के आसपास पानी जमा नहीं होने दें। गड्ढों को भरें तथा पुराने टायर, कबाड़ और अन्य सामान में पानी जमा न होने दें। कूलर और पानी की टंकियों को नियमित रूप से खाली कर साफकरते रहें। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है। इसमें तेज बुखार, सिरदर्द, हाथ-पैर में ऐंठन और उल्टी जैसे लक्षण हो सकते हैं। वहीं डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर साफ पानी में पनपता है। चिकनगुनिया में तेज बुखार के साथ जोड़ों में तेज दर्द और शरीर पर चकत्ते हो सकते हैं। मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी, मच्छर भगाने वाली क्रीम अथवा अन्य रिपेलेंट का उपयोग करें और पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें। शाम के समय खिड़की-दरवाजे बंद रखने की भी सलाह दी गई है।

बुखार होने पर तत्काल कराएं खून की जांच..

सीएमएचओ डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने नागरिकों से अपील की है कि बुखार आने पर लापरवाही न बरतें और नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर खून की जांच कराएं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग आशा कार्यकर्ता से संपर्क कर जांच एवं आवश्यक दवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में शुद्ध पेयजल, स्वच्छता और व्यक्तिगत साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखकर कई संक्रामक एवं जलजनित बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

महाराजपुर में अवैध शराब का जालः गली-गली बिक रही शराब, प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल..

जगप्रेरणा मण्डला/महाराजपुर।
जिले के उपनगर महाराजपुर में अवैध शराब बिक्री का कारोबार लगातार विस्तार ले रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि मां नर्मदा नदी से 5 किलोमीटर के दायरे में

शराब बिक्री पर प्रतिबंध होने के बावजूद क्षेत्र के कई हिस्सों में खुलेआम शराब बेची जा रही है। स्थिति यह है कि नगर के अनेक गली-मोहल्लों में दिनदहाड़े अवैध शराब की बिक्री होने की चर्चाएं आम हो चुकी हैं, जिससे आमजन में चिंता और नाराजगी बढ़ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार बजरंग चौराहा, मुख्य बाजार क्षेत्र, विभिन्न वार्डों तथा संगम स्थल के आसपास अवैध शराब बिक्री के कई ठिकाने संचालित हो रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि समय के साथ इन ठिकानों की संख्या बढ़ती जा रही है और नए-नए स्थानों पर शराब बिक्री शुरू होने की जानकारी सामने आ रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही है।

शिकायतों के बावजूद नहीं दिख रही सख्ती..

क्षेत्र के नागरिकों का आरोप है कि कई बार मौखिक एवं लिखित रूप से शिकायतें किए जाने के बाद भी अवैध शराब कारोबार पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका है। लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर सघन जांच और छापामार कार्रवाई की जाए तो इस अवैध कारोबार पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है। लेकिन वर्तमान स्थिति को देखकर लोगों में यह धारणा बन रही है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या को लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखा रहा है।

युवाओं और सामाजिक वातावरण पर पड़ रहा असर..

नगरवासियों का मानना है कि अवैध शराब की आसान उपलब्धता का सबसे अधिक प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। कई अभिभावकों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि खुलेआम शराब बिक्री से युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ने का खतरा है। इसके साथ ही पारिवारिक विवाद, झगड़े तथा अन्य सामाजिक समस्याओं में भी वृद्धि की आशंका जताई जा रही है।

महिलाओं और परिवारों में बढ़ रही चिंता..

स्थानीय महिलाओं का कहना है कि अवैध शराब के कारण कई परिवार आर्थिक और सामाजिक संकट का सामना कर रहे हैं। शराब की लत के चलते घरेलू विवाद बढ़ रहे हैं और कई परिवारों की स्थिति प्रभावित हो रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो समस्या और गंभीर हो सकती है।

नर्मदा तट क्षेत्र में नियमों के पालन पर सवाल..

मां नर्मदा आस्था और श्रद्धा का केंद्र मानी जाती हैं। ऐसे में नर्मदा तट और उसके आसपास शराब बिक्री को लेकर पहले से विभिन्न नियम और प्रतिबंध लागू हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि प्रतिबंधित क्षेत्र में शराब बिक्री की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं तो संबंधित विभागों को इसकी जांच कर स्पष्ट स्थिति सामने लानी चाहिए।

जनता ने की सख्त कार्रवाई की मांग..

स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों और जागरूक लोगों ने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं आबकारी विभाग से मांग की है कि महाराजपुर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर अवैध शराब बिक्री की जांच की जाए। यदि कहीं भी नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में कानून का पालन सुनिश्चित हो सके।

प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी निगाहें..

महाराजपुर में अवैध शराब बिक्री को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अब लोगों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं। नागरिक उम्मीद कर रहे हैं कि संबंधित विभाग मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कदम उठाएंगे, जिससे क्षेत्र में बढ़ रही इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर प्रतिबंधित क्षेत्र में खुलेआम शराब बिक्री की शिकायतों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या जिम्मेदार विभाग जल्द कोई बड़ा अभियान चलाएंगे या फिर यह अवैध कारोबार इसी तरह फलता-फूलता रहेगा? इसका जवाब प्रशासन की आगामी कार्रवाई से ही सामने आएगा।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

11 सोमवार 31 अगस्त 2026
जग प्रेरणा ग्रामीण गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

शहर में बढ़ते अतिक्रमण पर कार्यवाही क्यों नही, बढ़ते अतिक्रमण से मुख्य मार्ग पर दुर्घटनाओ का खतरा बढ़ा

नगर परिषद प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की भुमिका की ओर टिकी नजरें..

जगप्रेरणा आमगांव।

आमगाव शहर बडा होते जा रहा शहर मे प्रति वर्ष सौ से ऊपर घरो का निर्माण किया जा रहा है इसके चलते शहर मे जनसंख्या बढ रही है साथ ही आमगांव शहर मे

ना केवल आमगांव तहसील बल्कि निकटवर्ती सालेकसा देवरी तहसील के साथ ही मध्यप्रदेश के नागरिक भी शहर मे बड़े पैमाने पर विभिन्न वस्तुओं की खरेदी हेतु आमगांव के बाजार में ही आते है खासकर त्यौहारों पर आमगांव शहर के बाजार में बड़े संख्या में नागरिक आते हैं जिसके चलते यंहा यातयात भी बड़े पैमाने पर बढ चुकी है किंतु आमगांव शहर में बेलगाम बढ़ता अतिक्रमण अब आम जनता के लिए जानलेवा साबित होने लगा है।

शहर के मुख्य बाजारों, चौराहों और रिसामा से मुख्य मार्ग अम्बेडकर चौक से गांधी चौक होते हुते कामठा चौक तक फुटपाथ पूरी तरह से गायब हो चुके हैं, जिसके कारण आए दिन गंभीर सड़क दुर्घटनाएं होने का खतरा बढ चुका है दुर्घटनाओं में गंभीर जख्मी के साथ अनेको ने अपनी जाने भी गवा दी है, स्थानीय निवासियों और राहगीरों का आरोप है कि नगर निगम और यातायात विभाग की उदासीनता के कारण सड़कों की चौड़ाई सिमट कर आधी रह गई है, जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। शहर के प्रमुख क्षेत्रों जैसे आम्बेडकर चौक, जगनाड़े चौक, मानकर चौक, गांधी चौक, से लेकर कामठा चौक, कामठा चौक से लेकर मुख्य बस स्टैंड तक दुकानदारों ने अपनी दुकानों का सामान फुटपाथ से आगे बढ़ाकर आधी सड़क तक फैला रखा है। इसके अतिरिक्त, सड़कों के दोनों किनारों पर होने वाली अवैध पार्किंग और ठेले-खोंचे वालों के कारण स्थिति और विकराल हो गई है। फुटपाथ न मिलने के कारण पैदल यात्रियों को मजबूरन मुख्य सड़क पर चलना पड़ता है, जहां वे तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं, दिन ब दिन दुर्घटनाओं ने इजाफा देखने को ही मिल रहा है।

अस्थायी कार्रवाई से नहीं बन रही बात..

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन कभी-कभार अतिक्रमण हटाओ अभियान की खानापूर्ति जरूर करता है, लेकिन पुलिस की गाड़ी जाते ही अतिक्रमणकारी दोबारा सड़कें घेर लेते हैं। जब तक जिम्मेदार विभागों द्वारा अतिक्रमणकारियों पर भारी जुर्माना और सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक निर्दोष लोगों की जान यूं ही सड़कों पर जाती रहेगी या फिर संबंधित पोलिस विभाग एवं नगरपरिषद विभाग इस पर कार्यवाही करेगा इस ओर सबकी निगाहें टिकी हुई है। आगे देखना है कि नगर परिषद द्वारा कब अतिक्रमण हटाने की पुख्ता कार्यवाही की जाएगी

बोले पुलिस निरीक्षक नीलकंठ कुकडे..

वाहन चालक सीमित गति से ही वाहन चलाए, साथ ही अतिक्रमण करने वाले के वजह से किसी की भी दुर्घटना में जान गई या तो कोई हादसा होता है, जाँच होने पर उस पर कार्यवाही अवश्य होंगी।

खेल से होता है व्यक्तित्व का वास्तविक विकास : डॉ. मूर्ति..

जगप्रेरणा सालेकसा।

प्रताप मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट, गोंदिया द्वारा संचालित शंकरलाल अग्रवाल विज्ञान महाविद्यालय, सालेकसा में 29 अगस्त 2026 को

भारत रत्न मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. नारायण मूर्ति ने की, जबकि प्रमुख अतिथि के रूप में महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग प्रमुख डॉ. संजय बिरणवार उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर एवं उनका पूजन कर की गई। इसके पश्चात डॉ. संजय बिरणवार ने मेजर ध्यानचंद के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के लिए मेजर ध्यानचंद द्वारा अर्जित विभिन्न उपलब्धियों और पुरस्कारों के साथ ही उनके खेल जीवन के दौरान भारतीय हॉकी टीम द्वारा ओलंपिक में किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को दी। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. एस. नारायण मूर्ति ने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल के माध्यम से व्यक्ति का वास्तविक एवं सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि प्रत्येक विद्यार्थी को कम से कम किसी एक खेल में रुचि रखते हुए नियमित रूप से उस खेल में भाग लेना चाहिए। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का भी विकास करते हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, प्राध्यापक पुरंदर तथा महाविद्यालय के शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे।

शोक संदेश..

पिसे कृषी के मालिक धन्नालाल जी पिसे विविध कार्यकारी सेवा सहकारी संस्थां मर्यादित र. न81 के अध्यक्ष माननीय श्री धननालालजी पिसे

इनका आज दिनांक 30 अगस्ट 2026 दु. 2 बजे दुखद निधन हुआ। दि. 31/8/2026 सोमवार सुबह 10 बजे अंतिम संस्कार गोरेगाव घाट पे होगा।

TYRE WORLD
(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)
★ टायर ★ अलाईनमेन्ट
★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन
हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया
79991 54494, 98233 95921

बनगांव प्रा, स्वा, केंद्र का फिलहाल स्थानांतरण नही - सुरेश हर्षे..

जगप्रेरणा आमगांव।

तालुका अंतर्गत आ रहे घाटटेमणी जिला परिषद क्षेत्र से निर्वाचित सदस्य एवं गोंदिया जिला परिषद के उपाध्यक्ष तथा स्वास्थ्य विभाग के सभापती - सुरेश हर्षे ने सालेकसा मार्ग पर

स्थित शुभमंगल कार्यालय के सभागृह मे आयोजित पत्रकार परिषद मे बताया की महाराष्ट्र सरकार ने जहॉ ग्रामीण रुग्णालय है। उस परिसर मे 6 कि, मी, के अंतर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को अन्य स्थानो पर स्थानातरित करे ! ऐसे आदेश जिला परिषद गोंदिया के स्वास्थ्य विभाग को दिया है ! ऐसे आदेश के तहत गोंदिया जिला परिषद का स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण रुग्णालय से करिब जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है। उस के स्थानांतरण का प्रस्ताव जि, प, के स्थाई समिती के अध्यक्ष लायकराम भांडारकर की अध्यक्षता मे हुयी स्थाई समिती की बैठक मे ध्वनी मतोंसे पारित किया है। इसमे मेरा कोई संबंध नही है, कुछ लोग इस प्रकरण मे मेरे नाम का उल्लेख कर जबरदस्ती मुझे बदनाम करने का प्रयास कर रहे है।

सुत्रों ने बताया की प्रा, स्वा, केंद्र बनगांव के रुग्ण कल्याण समिती की गत फरवरी/ मार्च 2026 को जि, प, सदस्य एवं रुग्ण कल्याण समिती के अध्यक्ष किशोर महारवाडे, की अध्यक्षता मे हुयी बैठक मे एक प्रस्ताव पारित कर आमगांव ग्रामीण रुग्णालय, कामठा चौक मे आपला दवाखाना, एवं सालेकसा मार्ग पर और एक दवाखाना होने से प्रा, स्वा, केंद्र बनगांव को किकरीपार मे स्थानांतरित करने का निर्णय लिये जाने की खबर है।

जिला परिषद स्वास्थ्य समिती के अध्यक्ष सुरेश हर्षे, ने कहा की जब तक कौनते प्रा, स्वा, केंद्र मे किस गांव को जोडना है, और निकालना है। इसका सविस्तर फैसला नही होता, तब तक जिला स्वास्थ्य समिती मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनगांव के स्थानांतरण को स्वीकृती नही दी जायेगी। हर्षे ने आगे बताया की बनगांव प्रा, स्वा, केंद्र का स्थानांतरण रोकने के लिये महाराष्ट्र सरकार द्वारा रखी गयी 6 कि, मी, की दुरी वाली शर्त रद्द कराने हेतू महाराष्ट्र सरकार के प्रतिनिधी (विधायक) ने प्रयास चाहीये, और इस कार्य हेतु मेरा पुर्ण समर्थन रहेगा।

सुत्रो से पता चला है की क्षेत्रिय विधायक संजय पुराम ने तालुका अंतर्गत आ रहे ग्राम - सितेपार मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्विकृत कराने की मांग एक निवेदन सौपकर गत दिनो महाराष्ट्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्री, प्रकाश आंबिटकर से किया। बताया गया है की विधायक संजय पुराम के निवेदन पर संज्ञान लेते हुये स्वास्थ्य मंत्री ने कारवाई करने के आदेश गोंदिया जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग को दिया है, जिससे खलबली मच गयी, और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनगांव का स्थानांतरण किये जाने की कारवाई के संकेत मिल रहे है।

आदिवासी उज्ज्वला विद्यालय बीजेपार में राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

जगप्रेरणा सालेकसा।

तहसील सालेकसा अंतर्गत जिला गोंदिया के आदिवासी उज्ज्वला विद्यालय, बीजेपार में रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र प्रेम और स्नेह के इस त्योहार को उत्साहपूर्वक मनाया। आयोजित राखी मेकिंग प्रतियोगिता में कक्षा 8वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्स्फूर्त रूप से भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी कला और रचनात्मकता का परिचय देते हुए आकर्षक एवं सुंदर राखियां तैयार कीं। कार्यक्रम विद्यालय की मुख्याध्यापिका कु. शीतल अंबादे मैडम की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थी-विद्यार्थिनी, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे। सभी की सहभागिता से विद्यालय में रक्षाबंधन पर्व का उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

मरारटोली मे अज्ञात चोर ने मकान का ताला तोड़कर की चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 28/8/2026 के रात मे अज्ञात चोर ने फर्या दी भिमराज भरतराम कुंभरे उम्र 49 वर्ष निवासी मरा रटोली के मकान का ताला तोड़कर मकान मे प्रवेश कर आलमारी मे रखे सोने की कनोती किमत 15 हजार रुपये, सोने की नथ किमत 12 हजार रुपये, सोने की लटकन किमत 8 हजार रुपये कुल 35 हजार रुपये का माल चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ पोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे अपराध क्रमांक 508/2026 धारा 305, अ,331,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा माने 224 पोस्टे गोंदिया ग्रामीण कर रहे है।

झगडा छुडाने गये युवक से की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के आमगाव पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 15/8/2026 के दोपहर 3 बजे के दरम्यान फुक्कीमेटा मे आरोपी अपनी पत्नी और बेटी को मार रहा था। फर्यादी और उसकी पत्नी झगडा छुड़ाने गये तो आरोपी ने गालीगलोच कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी देने से फर्यादी की शिकायत पर पोस्टे आमगाव मे अपराध क्रमांक 571/2026 धारा 296,351,3, बि एन एस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच सफौ गायधने 878 पोस्टे आमगाव कर रहे है।

प्रेमी के संग हुई बहस मे प्रेमिका ने डॅम मे कुदकर गवाई जान मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आत्महत्या के लिये मजबूर करने का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 23/12/2025 के दिन दोपहर 3 बजे फर्यादी तेजराम मारुती भोयर उम्र 45 वर्ष निवासी हरदोली की बेटी से आरोपी के प्रेमसंबंध थे। शादी की बात को लेकर दोनो मे झगडा हुवा जिसमे फर्यादी की बेटी ने टेंशन मे कोटरा डॅम के पानी मे कुदकर आत्महत्या की है फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे सालेकसा मे अपराध क्रमांक 447/2026 धारा 108, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच सपोनी मावस्कर पुलीस स्टेशन सालेकसा कर रहे है।

बयाना किया किसी और से और जमीन किसी और को बेचकर की धोखाधडी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के अर्जुनी मोर पुलिस थाना अंतर्गत धोखाधडी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 17/10/2025 से 28/1/2026 के दरम्यान सिरोली मे आरोपियोने सिरोली मे गट क्रमांक 265/4 की आराजी 0.20 हेक्टर खेत फर्यादी को बेचने का सौदा 4 लाख रूपये मे लिखित किया उसके पेठे 1.50 लाख नगदी और 1 लाख का चेक ले लिये। रजिस्ट्री के समय बाकी 1.50 लाख लेना तय हुवा था। लेकीन आरोपियोंने बिना जानकारी दिये जमीन किसी और को बेचकर फर्यादी के साथ धोखाधडी करने से दिये शिकायत पर आरोपीयो के खिलाफ पोस्टे मोरगांव अर्जुनी मे अपराध क्रमांक 379/2026 धारा 318,4,3,5, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोऊपनी रोहनकर पोस्टे अर्जुनी मोर कर रहे है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में खाद्य कारोबारियों के लिए FSSAI फॉस्टक ट्रेनिंग का आयोजन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

पॉलिक्लिनिक मोतीबाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में दिनाँक 29 अगस्त 2026 नागपुर मंडल के रेल रनिंग रूम, ने. सु. बो. इतवारी स्टेशन, मंडल कार्यालय कैंटीन

एवं वर्कशॉप मोतीबाग कैंटीन से जुड़े खाद्य कारोबारियों के लिए **FSSAI** फॉस्टक **(FoSTaC)** प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एन. के. मंगला के मार्गदर्शन तथा मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. हिमांशु जायसवाल के नेतृत्व में किया गया। प्रशिक्षण में **FSSAI** द्वारा नामित प्रशिक्षक श्रीमती खुशबू बिसेन ने खाद्य कारोबारियों को खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, विभिन्न खाद्य पदार्थों को निर्धारित तापमान पर रखने तथा खाद्य पदार्थों की कलर कोडिंग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने खाद्य विक्रेताओं के मेडिकल कार्ड तथा खाद्य कारोबारियों एवं वेंडरों के लिए आवश्यक सामान्य चिकित्सकीय जांच के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री जसवेंदर सिंह ने खाद्य कारोबारियों को व्यक्तिगत एवं परिसर की स्वच्छता, खानपान की स्वच्छता तथा खाद्य पदार्थों के उचित रखरखाव के संबंध में आवश्यक सावधानियों से अवगत कराया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री प्रशांत सुखदेवे ने स्टेशन परिसर में संचालित स्टॉल, रनिंग रूम एवं वेजिटेरियन रिफ्रेशमेंट रूम के पंजीयन तथा **FSSAI** फूड लाइसेंस की आवश्यकताओं की जानकारी दी। उन्होंने खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक श्री मुकेश उबनारे भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण का उद्देश्य रेल परिसरों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता एवं निर्धारित मानकों के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम का सफल आयोजन खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छ खानपान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

श्रावण के पावन पर्व पर आमगांव में रंगा 'सावन झूला' उत्सव..

समस्त लोधी समाज महिला मंडल की उत्स्फूर्त पहल, विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों से महिलाओं में दिखा उत्साह..

जगप्रेरणा आमगांव।

श्रावण मास के पावन पर्व के अवसर पर समस्त लोधी समाज महिला मंडल की ओर से 'सावन झूला' कार्यक्रम का आयोजन बुधवार, 26 अगस्त 2026 को आमगांव स्थित साई लॉन, सालेकसा रोड में उत्साहपूर्वक किया गया। श्रावण की पारंपरिक संस्कृति और महिलाओं की सहभागिता का सुंदर संगम इस कार्यक्रम में देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा का पूजन कर की गई। इस अवसर पर महिलाओं ने विभिन्न मनोरंजक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में श्रावण के पारंपरिक गीत, झूला झूलना, महिलाओं के नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। हरे रंग की साड़ी का विशेष ड्रेस कोड रखा गया था, जिसके चलते हरे परिधानों में सजी महिलाओं की आकर्षक उपस्थिति कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। इस अवसर पर समाज की महिला बहनों को एक साथ मिलकर आनंद के पल बिताने का अवसर मिला। साथ ही, ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों से महिलाओं में सामाजिक एकता, आपसी स्नेह तथा सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सावन झूला कार्यक्रम समिति की प्रभा उपराड़े, गायत्री गराड़े, सरिता नवगोडे, शोभा मच्छीरके, प्रिया गयगये, पुष्पा नवगोडे, स्कंधा लिल्हारे, ममता बसोने, मीना मोहारे, लता ढेकवार, वंदना लिल्हारे, कौशल्या बसोने, प्रीति लिल्हारे, मानकुंवर बनोठे, रक्षा माहुले, लक्षवंती, ममता, खुशबू, प्रीति, सरस्वती एवं पूजा ने विशेष परिश्रम किया। कार्यक्रम को समाज की महिलाओं का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला।

कार्यक्रम की संयोजक सौ. सुखवंता बनोठे ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा उपस्थित सभी महिला बहनों का आभार व्यक्त किया। उनके मार्गदर्शन एवं पहल से आयोजित इस 'सावन झूला' उत्सव ने आमगांव में श्रावण के पारंपरिक उल्लास में विशेष रंग भर दिया।

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
■ टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET)
■ इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI)
■ (IUI) आय.यू.आय.
■ अधिक उम्र में मातृत्व
■ ओव्हम डोनेशन द्वारा
■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
■ शुक्राणु बैंक सुविधा
■ सोनोग्राफी
■ हार्मोस की जांच
■ हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया का 11 वां स्थापना दिवस व सत्कार समारोह 1 सितंबर को होटल जिंजर में..

विभिन्न क्षेत्रों के उत्कृष्ट कार्य करने वालों को 'जिला गौरव' पुरस्कारों से किया जाएगा सम्मानित..

सांसद राजेन्द्र जैन, विधायक परिणय फुके, विधायक विनोद अग्रवाल, विधायक राजकुमार बडोले संहित अनेक हस्तियां रहेंगी उपस्थित..

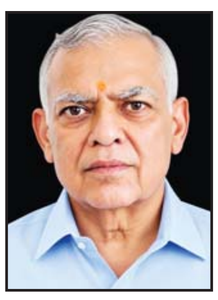
भगत ठकरानी

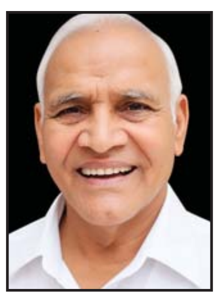
सत्यनारायण यदुवंशी

दादा फुंडे

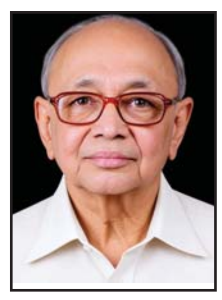
डॉ. सुधीर जोशी

दुलीचंद बुद्धे

डॉ. रुपेश राऊत

नरेन्द्र गौतम

दिव्या भोजवानी

जगप्रेरणा गोंदिया।

पत्रकारिता के माध्यम से समाज के चौथे स्तंभ के रुप में श्रेष्ठ कार्य करने की मंशा के साथ ही संगठन के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गोंदिया जिले में प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया द्वारा प्रतिवर्ष प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया के स्थापना दिवस पर 01 सितम्बर को सत्कार समारोह का आयोजन किया जाता है। अपनी परंपरा को

आगे बढ़ाते हुए निरंतर इस वर्ष भी संस्था के 11 वें स्थापना दिवस पर प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया द्वारा भव्य सत्कार समारोह का आयोजन स्थानीय होटल जिंजर (द गेटवे) में 01 सितंबर दिन मंगलवार को शाम 6:00 बजे से आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यसभा सांसद राजेंद्र जैन द्वारा किया जाएगा, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया के अध्यक्ष अपूर्व मेठी करेंगे। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधान परिषद सदस्य व पूर्व मंत्री डॉ. परिणय फुके, विधायक विनोद अग्रवाल, विधायक राजकुमार बडोले, विधायक विजय रहांगडाले, जिला परिषद अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर और नगराध्यक्ष सचिन शेंडे उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही विशेष अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे और अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपडे की प्रमुख उपस्थिति रहेगी।

इस गरिमामय समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले गणमान्य व्यक्तियों का विशेष सम्मान किया जाएगा। इसमें वरिष्ठ पत्रकार भगत ठकरानी को 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया जीवन गौरव सम्मान 2026-27' प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही दुलीचंद बुद्धे को स्व. श्री रणजीतभाई जसानी स्मृति सामाजिक सेवा सम्मान, जिला नियोजन अधिकारी डॉ. रूपेश कुमार राऊत को स्व. श्री रामकिशोरजी कटकवार स्मृति कर्तव्यनिष्ठ सम्मान, प्रा. सत्यनारायण यदुवंशी को स्व. श्री रामदेवजी जायसवाल स्मृति साहित्यरत्न सम्मान, मोरगांव अर्जुनी के दादा फुंडे को स्व. श्री मोहनलालजी चांडक स्मृति कृषि रत्न सम्मान, नरेंद्र गौतम को सहयोग संस्थान द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान, दिव्या नितिन भोजवानी को स्व. श्री दीपम देवेंद्रभाई पटेल स्मृति योगरत्न सम्मान, डॉ. सुधीर जोशी को स्व. प्राचार्य श्री योगेश नासरे स्मृति विशेष सेवा सम्मान और वृक्षधारा फाउंडेशन को स्व. श्री रूपनारायण झा स्मृति विशेष सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

इस गौरव समारोह में जिले के पत्रकारों, नागरिकों और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील उपाध्यक्ष जयंत शुक्ला, संतोष शर्मा, सचिव रवि आर्य, कोषाध्यक्ष हिदायत शेख सहित कार्यकारिणी सदस्य अंकुश गुंडावार, कपिल केकत, हरिंद्र मेठी, आशीष वर्मा, जाहिद खान, मुकेश शर्मा, राजन चौबे, नरेश रहिले, रविन्द्र तुरकर, संजीव बापट, राहुल जोशी, मनोज ताजणे, योगेश राऊत एवं समस्त प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया परिवार की ओर से की गई है।

गोंदिया शहर में एक साथ मिलकर लोधी समाज ने उत्साह और उमंग के साथ मनाया भुजली पर्व..

भुजली एवं नवविवाहित वर-वधुओं की मऊर विसर्जन की प्राचीन परंपरा का किया निर्वहन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

रक्षाबंधन पर्व के दूसरे दिन श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि पर लोधी समाज द्वारा भुजली पर्व एवं नवविवाहित वर-वधुओं की मऊर विसर्जन की प्राचीन परंपरा का उत्साहपूर्वक निर्वहन किया गया। लोधी बहुल गांवों सहित गोंदिया शहर में भी समाजजनों ने श्रद्धा एवं उल्लास के साथ यह पर्व मनाया। गोंदिया शहर के रानी अवंतीबाई चौक में लोधी समाज के लोग बड़ी

संख्या में एकत्रित हुए। बुजुर्गों के मार्गदर्शन में विधि-विधान एवं श्रद्धा के साथ भुजली पूजन किया गया। इस अवसर पर 12 नवविवाहित वर-वधुओं का उपहार देकर सम्मान किया गया। पूजन एवं सम्मान समारोह के पश्चात बाजे-गाजे के साथ भव्य रैली निकाली गई, जो महाकाल घाट, छोटा गोंदिया पहुंची। यहां श्रद्धा एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भुजली का विसर्जन किया गया। लोधी समाज की समृद्ध एवं वैभवशाली सांस्कृतिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ मार्गदर्शक एवं पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अशोक नागपुरे (अध्यक्ष, लोधी समाज), रामेश्वर लिल्हारे, खेमलाल माहुले, दयाराम तिवडे, सूर्यकांत नागपुरे, रूपचंद ठकरेले, सुरेंद्र नागपुरे, शिवराम सव्वालाखे, यशवंत सुलाखे, चैतराम सिंह नागपुरे, रिखीराम मस्करे एवं सुनील लिल्हारे, चंद्रकुमार उपवंशी, कृष्णकुमार नागपुरे, युवराज बिरनवार सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं समाजबंधु उपस्थित थे।

सामूहिक प्रयास से सफल हुआ आयोजन..

कार्यक्रम की सफलता के लिए लोधी नारी शक्ति समिति एवं मिलन समारोह समिति के पदाधिकारियों ने जिला लोधी समाज समिति के मार्गदर्शन में अथक प्रयास किए। समाज के महिला, युवा एवं वरिष्ठ सदस्यों की सक्रिय सहभागिता से भुजली पर्व श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकता के वातावरण में संपन्न हुआ। भुजली पर्व के माध्यम से लोधी समाज ने अपनी प्राचीन परंपरा, संस्कृति और सामाजिक एकजुटता का संदेश देते हुए नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली विरासत से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया।

सच्चा नेतृत्व अधिकार जताने में नहीं, बल्कि पूर्ण निष्ठा से जिम्मेदारी निभाने में है.. निशि अग्रवाल

माउंट लिटरा जी स्कूल, गोंदिया में अलंकरण समारोह का हुआ भव्य आयोजन

जगप्रेरणा गोंदिया।

माउंट लिटरा जी स्कूल, गोंदिया में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नव-निर्वाचित छात्र-छात्राओं के अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, उत्तरदायित्व, आत्म विश्वास एवं सेवा-भावना का विकास करना रहा।

समारोह में विद्यालय के हेड बॉय आदर्श बिसेन तथा हेड गर्ल रशलीन कौर भाटिया को विद्यालय के नेतृत्व की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही विद्यालय के विभिन्न सदनों (हाउस) के कप्तान एवं उप-कप्तानों को भी उनके दायित्व प्रदान किए गए। रेड हाउस के कप्तान लक्ष्य अग्रवाल एवं उप-कप्तान आर्या बिपचे, येलो हाउस के कप्तान वैभव भुरे एवं उप-कप्तान कर्णिका सिदाम, ग्रीन हाउस के कप्तान तेजस गौतम एवं उप-कप्तान मनन पटले तथा ब्लू हाउस की कप्तान श्रिया अग्रवाल एवं उप-कप्तान प्रियांशु अग्रवाल को हाउस नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी गई। विद्यालय के विभिन्न विभागों के लिए भी विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई। स्वच्छता कप्तान चिंतव भुरे एवं उप-कप्तान पूर्वी हरिनखेड़े, अनुशासन कप्तान दुर्विशा चौहान एवं उप-कप्तान रिशव कुमार, क्रीड़ा कप्तान ऋषभ जगनीत एवं उप-कप्तान सम्राट डोंगरे को जिम्मेदारी प्रदान की गई।

इसी क्रम में सांस्कृतिक कप्तान यूग राहांगडाले एवं उप-कप्तान विवान तुरकर, शैक्षणिक कप्तान अंश तलरेजा एवं उप-कप्तान केतन टेंभरे तथा प्रोटोकॉल कप्तान यश बिसेन एवं उप-कप्तान संधन बंसोड़ को दायित्व सौंपे गए। अलंकरण समारोह के दौरान सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपने-अपने पद की गरिमा बनाए रखने तथा विद्यालय के नियमों एवं आदर्शों का पालन करते हुए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया। विद्यालय की संचालिका निशि अग्रवाल ने नवनिर्वाचित सदन को संबोधित करते हुए कहा कि सच्चा नेतृत्व अधिकार जताने में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने में है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से करने का आह्वान किया। अंत में सभी चयनित विद्यार्थियों को स्कूल संचालक नितेश अग्रवाल, संचालिका निशि अग्रवाल तथा स्कूल प्रधानाचार्य जितेंद्र तलरेजा ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। यह समारोह विद्यार्थियों के लिए नेतृत्व, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने वाला प्रेरणादायी अवसर रहा।

श्री महावीर मारवाड़ी जूनियर कॉलेज ऑफ साइंस की पूर्वा लोथे बनी महाराष्ट्र राज्य चैंपियन..

40 वीं महाराष्ट्र राज्य जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हेप्टाथलॉन में प्रथम स्थान

जगप्रेरणा गोंदिया।

श्री महावीर मारवाड़ी जूनियर कॉलेज ऑफ साइंस, गोंदिया ने गौरव के साथ हर्ष व्यक्त करते हुए जानकारी प्रदान की कि महाविद्यालय की कक्षा 11 वीं की प्रतिभावान छात्रा कु. पूर्वा जगदीश लोथे ने प्रतिष्ठित 40 वीं महाराष्ट्र राज्य

जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हेप्टाथलॉन स्पर्धा में महाराष्ट्र राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया और महाराष्ट्र राज्य चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। हेप्टाथलॉन सात अलग-अलग ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं का एक अत्यंत कठिन और चुनौतीपूर्ण क्रीड़ा प्रकार है। महाराष्ट्र भर से आए प्रतिभावान खिलाड़ियों के बीच पूर्वा ने अपनी असाधारण प्रतिभा, सहनशक्ति, आत्मविश्वास, अनुशासन, जिद्द और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय देते हुए यह ऐतिहासिक सफलता हासिल की।

पूर्वा की यह उपलब्धि उसके कठोर परिश्रम, अथक प्रयास, समर्पण और खेल के प्रति जुनून का परिणाम है। उसकी इस शानदार सफलता ने उसके परिवार, शिक्षकों, महाविद्यालय और संपूर्ण संस्था का गौरव बढ़ाया है।

संस्था के अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल, सचिव श्री प्रकाशचंद कोठारी, प्राचार्य श्री अजय शामका सर, श्री अभिषेक अग्रवाल, प्राचार्या सौ. भारती रहांगडाले एवं सौ. अर्चना अग्रवाल ने कु. पूर्वा जगदीश लोथे को उनकी इस ऐतिहासिक विजय पर हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल क्रीड़ा भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
मुळव्याध (बवासीर), फिशर भगंदर व अन्य गुदारोग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र
● कमर का दर्द ● घुटनों का दर्द
● पिठ का दर्द ● गर्दन व कंधों का दर्द
● आमवात, गठीया वात एवं सायटिका
• अत्याधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म चिकित्सा कक्ष
• शास्त्रशुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त स्वनिर्मीत औषधियों का प्रयोग
• रोगी एवं व्याधी अनुरुप पंचकर्म सुविधा
डॉ. अपर्णा खोब्रागडे
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक
7620340356
साकेत पब्लिक स्कुल रोड़, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

TYRE WORLD
(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)
★ टायर ★ अलाईनमेन्ट
★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन
हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया
79991 54494, 98233 95921

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com